दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 342 जयपुर, बुधवार, 22 नवंबर, 2023 | कार्तिक, शुक्ल पक्ष- दशमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

दीया को परिवर्तन पार्टी के प्रत्याशी का समर्थन

बेधड़क, जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा सभा से भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी को परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रत्याशी राजपाल सिंह शेखावत ने अपना समर्थन को देने की घोषणा की है। शेखावत ने कहा कि दीया कुमारी एक युवा, ऊर्जावान और जुझारू नेता हैं। उन्होंने कहा कि दीया कुमारी विद्याधर नगर के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुझे विश्वास है विद्याधर नगर भाजपा का कमल खिलेगा और क्षेत्र में विकास की बयार बहेगी। वहीं दीया कुमारी ने कहा कि मैं राजपाल सिंह शेखावत के समर्थन के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करती हूं और उनके अनुभव और सहयोग का पूरा लाभ उठाएंगे।

महिला कार्मिकों के हाथों में बूथों की कमान

बेधड़क, जयपुर। विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत वोटिंग के लिए इस बार महिला, युवा और दिव्यांग बूथ के साथ-साथ आदर्श बूथ की स्थापना की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि जयपुर जिले में 29 आदर्श मतदान केन्द्रों की भी स्थापना होगी। 10 शहरी विधानसभा क्षेत्रों में 2-2 एवं 9 ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक आदर्श बूथ की स्थापना होगी। आदर्श बूथ पर मतदाताओं को लोकतंत्र के महोत्सव की छटा देखने को मिलेगी। इसके साथ ही जयपुर जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 8-8 महिला बूथ स्थापित किए जाएंगे। जिनमें मतदान दल की सभी कार्मिक महिलाएं होंगी।

कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज ने त्यागी चप्पल

बेधड़क, जयपुर। सांगानेर से कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पेंद्र भारद्वाज ने मंगलवार को सुबह नीमड़ी वाले बालाजी पर सांगानेर की खुशहाली के लिए 51 प्रण महायज्ञ का आयोजन किया, जिसमें पंडित के कहने पर उन्होंने परीक्षा की घड़ी तक चप्पल का त्याग कर दिया। भारद्वाज ने यज्ञ में आहुति देकर यह प्रण लिया कि सांगानेर की साझी खुशहाली के लिए हम सब मिलकर काम करेंगें। इस मौके पर नीमड़ी वाले बालाजी पर सैंकड़ों लोग पहुंचे। वहीं आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने माली समाज से पुष्पेंद्र भारद्वाज को वोट देने की अपील की।

मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वसुंधरा राजे ने मंच किया साझा... चेहरों पर मुस्कुराहट

सियासी गलियारों में गरम हुआ अटकलों का बाजार... चर्चाएं

बेधड़क | जयपुर

ऐन चुनाव प्रचार अभियान के अंतिम दौर से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मंगलवार को एक मंच पर एक साथ और मुस्कुराते हुए नजर आए। इसके बाद सियासी गलियारों में अटकलों का दौर शुरू हो गया कि राजे और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच अब 'सब ठीक-ठाक' हो गया है।

राजनीतिक जानकार मान रहे हैं कि मतदान से ठीक पहले इस चुनावी सभा के जरिए भाजपा की ओर से मतदाताओं को 'संदेश' देने की कोशिश की गई है। राज्य में विधानसभा चुनाव के तहत मतदान 25 नवंबर को होना है। प्रचार का शोर दो दिन बाद थम जाएगा। मतदान से कुछ ही दिन पहले मोदी व राजे के एक साथ एक मंच पर आने और इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर साझा किए जाने के इसलिए भी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं, क्योंकि भाजपा ने इस चुनाव में किसी को भी मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित नहीं किया है।

मोदी बोल चुके कि चेहरा है 'कमल का फूल'

खुद प्रधानमंत्री मोदी राज्य में अपने शुरुआती चुनावी भाषणों में कहा चुके हैं कि इस चुनाव में भाजपा का चेहरा 'कमल का फूल' है। मोदी ने अक्टूबर माह में चितौड़गढ़ जिले में हुई एक रैली में यह बात कही थी और उसमें राजे भी मौजूद थीं। ज्ञातव्य है कि कमल भाजपा का चुनाव चिह्न है।

वसुंधरा समर्थकों की जगी उम्मीद

राजे के समर्थक जबकि उन्हें इस दौड़ में सबसे आगे मानते हैं वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस चुनाव में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं करने को लेकर भाजपा पर निशाना साधती रही है तथा इसे राज्य में भाजपा की अंदरूनी खींचतान बताती रही है। हालांकि इस बारे में कुछ भी सार्वजनिक टिप्पणी करने से राजे बचती रही हैं। बहरहाल, इस तरह मुस्कुराहटों के साथ मोदी और राजे का मंच साझा करना, वसुंधरा समर्थकों में फिर उम्मीद जगा गया है।

राजे ने मोदी की जमकर की प्रशंसा

मोदी और राजे ने शायद इसी को लेकर संदेश देने की कोशिश की है। हालांकि, पार्टी के एक प्रवक्ता ने इस बारे में टिप्पणी से इनकार किया। राजे ने मंच से न केवल मोदी की मुक्त कंठ से प्रशंसा की, बल्कि यहां तक कहा कि देश की जनता 2024 में सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। अगले साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। अपने संबोधन में राजे ने कहा कि मोदी का लोहा पूरा देश मानता है और आज पूरा विश्व उनका नेतृत्व स्वीकारता है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि देश की जनता 2024 में हैट्रिक के लिए मोदी जी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। बहरहाल, राजे और मोदी का साथ होने से इस चुनावी माहौल में नई चर्चाएं छिड़ गई हैं। इतना ही नहीं, राजे के पुत्र सांसद दुष्यंत सिंह ने भी इनके साथ मंच साझा कर सियासी हलचल को और बल दिया है।

विधानसभा चुनाव 2023: कांग्रेस ने जारी किया मेनिफेस्टो

चिरंजीवी में 50 लाख का बीमा चार लाख नौकरियों का वादा

- अल्पसंख्यकों को आबादी के अनुसार आरक्षण देने की घोषणा
- स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के आधार पर एमएसपी गारंटी
- 10 लाख को रोजगार, पंचायत स्तर पर भर्ती के लिए नया कैडर

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए राजनीतिक दल कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। मतदाता को लुभाने के लिए पार्टियां घोषणाओं पर घोषणाएं कर रही हैं। मंगलवार को कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया।

85 पन्नों के घोषणा पत्र में कांग्रेस ने आधी आबादी को साधने का प्रयास किया है। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर 10 लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा किया है, जिसमें चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां भी दी जाएंगी। इसके साथ ही किसानों के वोट साधने के लिए कांग्रेस ने स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के आधार पर एमएसपी गारंटी देने का वादा कया है। इसके साथ ही चिरंजीवी योजना में 50 लाख तक का बीमा और अल्पसंख्यकों को आबादी के अनुसार आरक्षण, जातिगत जनगणना जैसी विभिन्न घोषणाएं शामिल हैं।

इस मौके पर सीएम गहलोत ने कहा कि इस साल के अंत तक राजस्थान की अर्थव्यवस्था 15 लाख करोड़ रुपए की हो जाएगी और 2030 तक इसे 30 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

वहीं मुख्यमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया परलिखा कि नंबर 1 राजस्थान का उपाय, जन घोषणा पत्र नया अध्याय। आज राजस्थान के हर वर्ग की जरूरतों, उम्मीदों और सपनों के प्रतिनिधि कांग्रेस जन घोषणा पत्र-II को सार्वजनिक किया। पूर्व की भांति हम इसके एक-एक अक्षर को क्रियान्वित करने के लिए हर एक क्षण समर्पित रहेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार चुनावी घोषणा पत्र के आधार पर काम करती है और घोषणा पत्र में किये गये वादों को पूरा करती है। मेनिफेस्टो जारी करने के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सीएम अशोक गहलोत, सचिन पायलट, पीसीसी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, सीपी जोशी सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

भाजपा बनाम कांग्रेस घोषणा पत्र

बीजेपी ने संकल्प पत्र में किसानों को जमीन का उचित मुआवजा देने के लिए एक मुआवजा नीति लाई जाएगी और गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य के ऊपर बोनस देकर 2,700 प्रति क्विंटल पर खरीदी करने की घोषणा की हैं। वहीं कांग्रेस ने किसानों के लिए स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशों के मुताबिक एमएसपी कानूनू लाने का वादा किया हैं। बीजेपी ने पीएम उज्ज्वला योजना से महिलाओं को 450 में सिलेंडर देने का वादा किया है तो कांग्रेस ने गैस सिलेंडर को 400 रु का करने का वादा किया हैं। वहीं युवाओं के लिए बंपर नौकरियों के वादे हैं जहां कांग्रेस ने 4 लाख नौकरियों का वादा और पंचायत स्तर पर भर्ती कैडर बनाने का वादा किया है वहीं बीजेपी ने अगले 5 सालों में 2.5 लाख सरकारी नौकरियां देने की बात कही है।

पीएम मोदी झूठों के सरदार: खरगे

घोषणा पत्र जारी करने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि मोदी के पिताजी को मैं क्यों गाली दूंगा। मैं तो बचपन में ही अपनी माता सहित सबको खो चुका हूं। मैं पांच साल का था, तभी वे लोग जलकर खाक हो गए थे। झूठों का सरदार कह रहा है गाली दी। हम अगर रेवड़ी बांट रहे हैं तो आप लोग पांच किलो अनाज देकर क्या कर रहे हो?

ये घोषणाएं शामिल

किसान

न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के आधार पर एमएसपी गारंटी के लिए एक विशिष्ट कानून बनाया जाएगा। सहकारी बैंकों से सभी किसानों को 2 लाख रुपए तक के ब्याज मुक्त कृषि ऋण की सुविधा दी जाएगी। 12 मिशनों का विस्तार कर इन्हें दो गुना किया जाएगा।

महिला

महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिए प्रत्येक गांव और शहरी वार्ड में सुरक्षा प्रहरी की नियुक्ति किए जाएंगे। मुख्यमंत्री निःशुल्क चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत आने वाले परिवारों की महिला मुखिया को इंटरनेट कनेक्शन के साथ स्मार्टफोन दिए जाएंगे। राज्य द्वारा संचालित रोडवेज बसों में महिलाओं को वर्तमान छूट के अतिरिक्त निःशुल्क यात्रा के लिए हर महीने एक फ्री कूपन दिया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की मौजूदगी सुनिश्चित करेंगे।

विकास

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के क्रमबद्ध कार्यान्वयन के लिए एक विस्तृत योजना पेश करेंगे। शहरी विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए दो निकटतम शहरों के लिए एक विशेष विकास प्राधिकरण का गठन किया जाएगा। ऐसे गांव व ढाणियां जहां 100 व्यक्तियों से ज्यादा की आबादी है, उसे सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा।

महंगाई राहत

एनएफएसए एवं बीपीएल परिवारों को अब 500 रुपए के स्थान पर 400 रूपए में रसोई गैस सिलेंडर दिया जाएगा।

जातिगत जनगणना

समाज के सभी तबकों के लिए समान सामाजिक कल्याण की भावना पर आधारित नीति निर्माण के लिए वास्तविक जनसंख्या के आधार पर लाभ निर्धारण के लिए जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी।

रोजगार

पांच वर्षों में 10 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। इसमें से 4 लाख सरकारी नौकरियों में भर्ती करेंगे। पंचायत स्तर पर भर्ती के लिए नया कैडर बनाया जाएगा। बेरोजगार युवाओं को रोजगार सम्बन्धी समस्या के समाधान के लिए टोल फ्री कॉल सेंटर के साथ-साथ ई एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज की सुविधा शुरू की जाएगी। ऑटो व टैक्सी चालकों और गिग वर्कर्स के लिए कानून में संशोधन अधिक समावेशी कल्याण प्रक्रिया तैयार होगी। मनरेगा एवं इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का विस्तार करते हुए प्रति वर्ष 125 दिन के स्थान पर 150 दिन का रोजगार दिया जाएगा।

स्वास्थ्य और शिक्षा

मुख्यमंत्री निशुल्क चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा की राशि को 25 लाख रुपए वार्षिक से बढ़ाकर 50 लाख रुपए किया जाएगा। संतान सुख से वंचित दम्पत्तियों के लिए चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में आईवीएफ पैकेज शामिल किया जाएगा। राज्य में शिक्षा की गारंटी कानून लाकर आरटीई के अंतर्गत कक्षा 8वीं के स्थान पर कक्षा 12वीं तक शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

व्यापारी

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की ही तरह व्यापारी क्रेडिट कार्ड योजना लागू की जाएगी। यह आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और युवा उद्यमियों को 5 लाख रुपए तक ब्याज मुक्त ऋण देगी।

कर्मचारी

ओपीएस को निरंतर जारी रखने के लिए कानून बनाया जाएगा। विभिन्न राजकीय सेवाओं में अपेक्स स्केल पर पदोन्नति का प्रावधान किया जाएगा। चयनित वेतनमान (9-18-27) के बाद चौथे चयनित वेतनमान का प्रावधान किया जाएगा।

1594 वाहनों का अधिग्रहण

मतदान दलों की रवानगी 24 को, बसें पहुंचना शुरू

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव के सफल संचालन के लिए चुनाव आयोग तैयारियों में जुटा हुआ है। इस बीच 25 नवंबर को मतदान की व्यवसथा संभालने के लिए 24 नवंबर को मतदान दलों को रवाना किया जाएगा।

शहर में तीन स्थान राजस्थान कॉलेज, भवानी निकेतन और जामिया तुल हिदायत मुस्लिम यूनिवर्सिटी रामगढ़ मोड़ से मतदान दलों की रवानगी की जाएगी। राजस्थान कॉलेज में बसों के पहुंचने का सिलसिला मंगलवार से शुरू हो गया है। बुधवार तक सभी वाहन पहुंच जाएंगे। इसके साथ ही मतदान दल रवानगी के लिए टेंट, बिजली-पानी सहित अन्य व्यवस्था निर्वाचन विभाग तरफ से की जा रही है। चुनाव अधिकारी व्यवस्थाओं बनाने के लिए दिन-रात जुटे हुए हैं। वहीं 24 नवंबर को मतदान दलों की रवानगी की जाएगी। झालाना आरटीओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि चुनाव के लिए 574 बसें व 1020 मिनीबस वाहन अधिग्रहित किए गए हैं। जिनमें से 50-50 बसें करौली व बूंदी के लिए तथा 40 बसें टोंक के लिए अधिग्रहित की गई हैं। अधिग्रहण का लक्ष्य पूरा कर लिया गया है।

सफाईकर्मी से मारपीट के बाद थाने का किया घेराव

बेधड़क | जयपुर

राजधानी के शास्त्री नगर थाना इलाके में सफाईकर्मी के साथ देर रात हुई मारपीट के विरोध में भाजपा हवामहल प्रत्याशी बालमुकुंद आचार्य ने थाने का घेराव किया और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सफाईकर्मी ने आरोप लगाया था कि उनके साथ हुई मारपीट पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में भाजपा प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंच गए और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे। इस दौरान आचार्य ने वाल्मीकि समाज की झाड़ू लेकर विरोध जताया। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि शास्त्री नगर थाना इलाके में सोमवार रात समुदाय विशेष के युवकों ने निगम के एक सफाईकर्मी के साथ मारपीट की थी। गम्भीर घायल में सफाई कर्मी किशन को कांवटिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस पर मंगलवार सुबह हवामहल से बीजेपी के प्रत्याशी बाल मुकुंद आचार्य शास्त्री नगर थाने पहुंचे। जमकर नारेबाजी की। वहीं जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी भी थाने पहुंचे और कुछ युवकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इसके बाद पीड़ित परिवार ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। इसी दौरान सिविल लाइन से भाजपा प्रत्याशी गोपाल शर्मा भी शास्त्री नगर थाने पहुंचे और बदमाशों की गिरफ्तारी की मांगी की।

पीसीसी में कांग्रेस नेता मनीष तिवारी और भूपेंद्र हुड्डा की प्रेस वार्ता

पीएम ने ईआरसीपी को क्यों नहीं घोषित किया राष्ट्रीय परियोजना: तिवारी

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस प्रवक्ता मनीष तिवारी ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता में भाजपा पर जुबानी वार किए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 के विधानसभा और 2019 के लोकसभा चुनाव की जयपुर और अजमेर की सभाओं में ईआरसीपी परियोजना को पूरा करने और उसे राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया था, लेकिन राजस्थान में भाजपा की हार और कांग्रेस पार्टी की 2018 में सरकार आने पर प्रधानमंत्री मोदी ने वादा खिलाफी करके राजस्थान की जनता के प्रति दण्डस्वरूप व्यवहार किया। ईआरसीपी परियोजना जो 13 जिलों को नहीं बल्कि पूरे राजस्थान के उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक है, मगर परियोजना को पूरा नहीं किया।

भाजपा की नीति और नीयत में फर्क

तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अनेकों खत लिखकर यह संज्ञान में लाया गया कि ईआरसीपी परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया जाए, इसके बावजूद उसे अनदेखा किया गया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत राजस्थान से होने के बावजूद भी उन्होंने प्रदेश की जनता के हित मैं रुचि नहीं रखते हुए अपनी असफलता को प्रदेश की जनता के सामने अभिव्यक्त किया जो कि भाजपा की नीयत में फर्क को बताता है।

यूपीए शासन में 15 से 17 प्रतिशत बढ़ती थी एमएसपी: हुड्डा

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था, आमदनी तो दोगुनी हुई नहीं, लेकिन किसानों की लागत कई गुना बढ़ गई। खाद, बिजली एवं पेस्टीसाईड की कीमतें लगातार बढ़ रही है। यूपीए शासन के दौरान हर साल फसल की एमएसपी 15 से 17 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी होती है और अब 3 से 4 प्रतिशत भाजपा शासन में बढ़ोत्तरी होती है। इससे किसान बरबादी की कगार पर है। वे मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

BJP लेकर आई अग्निवीर योजना

हरियाणा एवं राजस्थान के अधिकाधिक युवा देश की सीमा की निगरानी करने के लिए फौज में जाते हैं, लेकिन उनके हितों पर कुठाराघात करते हुये भाजपा की केन्द्र सरकार ने अग्निवीर योजना लागू कर दी। उन्होंने कहा कि यह योजना भाजपा ने ही लागू की इसलिए यदि भाजपा की सरकार आई तो युवाओं को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। सभी ने देखा है कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने देश की पदक विजेता बहन-बेटियों के साथ कैसा सलूक किया है। जंतर-मंतर पर महीनों तक बेटियां धरना देती रहीं, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला।

पेज @ 09

खड़ताल और भपंग से युवाओं ने रचा रेतीले धोरों सा माहौल

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 342 जयपुर, बुधवार, 22 नवंबर, 2023 | कार्तिक, शुक्ल पक्ष- दशमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

विधानसभा चुनाव 2023

काउंटडाउन 04 दिन शेष

सुरंग नहीं... धंसी हमारी दूरदर्शिता

विनायक शर्मा

यह ठीक है कि देश में विकास चाहिए, यह ठीक है कि विकास के लिए बड़े प्रोजेक्ट चाहिए, यह ठीक है कि प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने के लिए माकूल जगह चाहिए और यह भी तो सही है कि माकूल जगह के लिए निष्पक्ष विशेषज्ञों की सलाह चाहिए। यहीं हम मात खा जाते हैं कि विशेषज्ञों की राय नहीं लेते, या लेते हैं तो उसकी अनदेखी कर प्रोजेक्ट को शीघ्र पूरा कर 'वाहवाही' लूटने का लोभ संवरण नहीं कर पाते। नतीजतन, इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है, गरीबों, मजलूमों, मजदूरों को। यही कहानी है, उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल (सुरंग) हादसे की। कहीं न कहीं चूक हुई है, जिसका नतीजा भुगत रहे हैं वो 41 लोग जो टनल के 230 मीटर भीतर भूस्खलन के कारण 15 मीटर धंस जाने से अंदर फंस चुके हैं। बात कल की तो नहीं है, 12 नवंबर को हादसा हुआ यानी 10 दिन हो चुके, कैसे एक-एक पल काट रहे होंगे, उन 41 लोगों के परिवार। उनकी-सी पीड़ा न तो प्रोजेक्ट में जुटी एजेंसी के अफसर महसूस कर सकते हैं, ना ही प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाने वाले नीति नियंता।

हम कोई भी परियोजना बनाएं, क्या यह जरूरी नहीं कि उसके काम के दौरान संभावित घटनाओं पर भी गौर करें। उनके लिए अपने प्लान ए-बी-सी तैयार रखें। जब उत्तरकाशी से करीब 55 किमी दूरस्थ इस सिलक्यार-पोलगांव टनल का काम शुरू हुआ, तब पर्यावरणविद् और भूविज्ञानी से सलाह ली गई होगी, तो उसने जरूरी इस खतरे से आगाह किया ही होगा। एक जियोलॉजी एक्सपर्ट ने कहा, 'उत्तराखंड के नए और कमजोर पहाड़ों में ऐसे प्रोजेक्ट नहीं होने चाहिए और बहुत जरूरी हो तो फिर यूरोप की तरह हाई क्वालिटी का काम होना चाहिए।'

फिर, उत्तराखंड की पहाड़ियां वैसे ही कच्ची बताई जाती हैं, जिनमें बरसों से भूस्खलन कई जिंदगियां लील चुके हैं, हर साल सैकड़ों-हजारों भूस्खलन होते हैं। राज्य सरकार के ही आंकड़ों के मुताबिक, 2015 से 11 अगस्त, 2023 तक उत्तराखंड में 3,601 भूस्खलनों में 266 से अधिक लोग मारे गए और 178 घायल हुए। वहीं, पिछले साल की 245 भूस्खलन की घटनाएं की तुलना में इस साल 11 अगस्त तक 1,173 भूस्खलन की सूचना मिली है। आंकड़े इस आपदा के प्रति साफतौर पर आगाह कर रहे हैं।

महसूस करें, दिवाली है, मजदूर के घर में बच्चे मां-बाप द्वारा पेट काटकर लाए सस्ते नए कपड़े पहन राजकुमारों की तरह त्योहार की उमंग में खेल रहे हैं, उनकी मां बरसों से संदूक में तह करके रखी अपनी कथित सबसे सुंदर (बिना फटी-कटी) साड़ी पहन लक्ष्मी जी का पाना दीवार पर चिपका, तेल का दीया तैयार कर, अपने सुहाग का इंतजार कर रही है कि वो आएं तो सब लक्ष्मी पूजन करें, बच्चों को आज तो गरम रोटी और ताजा सब्जी खिलाएं। वह बार-बार द्वार की ओर ताक रही है, तभी एक मजदूर भागता आता है और कहता है, 'पुष्कर नहीं आएगा, वह गब्बर नेगी, सबाह अहमद, सोनु शाह, मनिर तालुकदार वगैरा के साथ सुरंग में फंस गया है, शायद मिट्टी में दब गया है।'

बताइए, क्या बीती होगी, उस महिला पर! जी हां, दिवाली के दिन ही यह हादसा हुआ, तभी से 41 घरों के चिराग सुरंग धंसने से मलबे के नीचे फंसे हैं। एक-एक दिन कैसे बीत रहा होगा उन परिवारों का। सुरंग नहीं धंसी, धंसी है हमारी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने की दूरदर्शिता और उस पर मलबे के ढेर के रूप में पसर चुकी है हमारी एजेंसियों की ऐसे हादसों से निपटने की तैयारी।

किसी कवि ने सही ही लिखा है-

नदी से पानी नहीं, रेत चाहिए
पहाड़ से औषधि नहीं, पत्थर चाहिए।
पेड़ से छाया नहीं, लकड़ी चाहिए
खेत से अन्न नहीं, नकद फसल चाहिए।
उलीच ली रेत, खोद लिए पत्थर
काट लिए पेड़, तोड़ दी मेड़।

परिवारवाद और तुष्टीकरण की प्रतीक है कांग्रेस: PM

गहलोत जी, कोनी (नहीं) मिले वोट जी।'

बेधड़क | जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कानून व्यवस्था, महिला अपराध व भ्रष्टाचार को लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसने जनता को लुटेरों और दंगाइयों के हवाले कर दिया है। इसके साथ ही मोदी ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण नामक तीन बुराइयों का प्रतीक बताया। राज्य के चुनावी दौरे पर आए मोदी ने अंता (बारां), कोटा व करौली में चुनावी जनसभाएं कीं और जयपुर में रोड शो किया। अंता में मोदी ने कहा,'अब हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है, लेकिन राजस्थान को विकसित बनाए बिना भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य अधूरा है। जब तक भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण नाम के देश के तीन दुश्मन हमारे बीच हैं, तब तक ये संकल्प पूरा होना मुश्किल है और कांग्रेस इन तीन बुराइयों की सबसे बड़ी प्रतीक है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,'कांग्रेस में मंत्री हो, विधायक हो- सब बेलगाम हैं और जनता त्रस्त है। कांग्रेस ने राजस्थान की जनता को लुटेरों, दंगाइयों, अत्याचारियों और अपराधियों के हवाले कर दिया है। इसलिए आज राजस्थान का बच्चा बच्चा कह रहा है - गहलोत जी, कोनी (नहीं) मिले वोट जी।'

लाल डायरी का फिर जिक्र

कथित 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री गहलोत पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा,'आजकल राजस्थान की लाल डायरी की सबसे अधिक चर्चा है। इस लाल डायरी के पन्ने जैसे जैसे खुल रहे हैं, वैसे वैसे जादूगर जी के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही हैं। इसमें साफ-साफ लिखा है कि कांग्रेस सरकार ने पांच वर्षों में आपके जल, जंगल और जमीन को कैसे बेचा है।' भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा करते हुए कहा कि राजस्थान के लोगों को लूटने वाला कोई भी भ्रष्टाचारी बच नहीं सकता। इस अवसर पर पूर्व सीएम वसुंधरा राजे भी मौजूद थीं।

कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू: कोटा में मोदी ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा, 'यहां जो जादूगर है, वो चाहे दुनिया भर के जादू कर ले... काला जादू कर ले, लेकिन राजस्थान की जनता के जादू की ताकत के सामने इस जादूगर की कोई ताकत नहीं चल सकती। इसलिए जादूगर के देखते-देखते ही तीन दिसंबर को कांग्रेस छूमंतर हो जाएगी।'

मोदी ध्यान भटकाते हैं और अडाणी जेब काटते हैं: गांधी

राजस्थान में कराएंगे जातिगत जनगणना

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को राजस्थान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 'पीएम का मतलब पनौती मोदी' है। क्रिकेट विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने दुर्भाग्य से जुड़े इस शब्द का इस्तेमाल किया। मैच में हार के बाद से सोशल मीडिया पर 'पनौती' शब्द ट्रेंड कर रहा है।

मैच के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद स्थित स्टेडियम में मौजूद थे। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी लोगों का ध्यान भटकाते हैं, जबकि उद्योगपति अडाणी उनकी जेब काटते हैं। उन्होंने कहा कि "मोदी टीवी पर आते हैं और 'हिंदू-मुस्लिम' कहते हैं और कभी-कभी क्रिकेट मैच में चले जाते हैं। वो अलग बात है कि हरवा दिया... पनौती।" कांग्रेस नेता ने कहा, "पीएम मतलब पनौती मोदी।" बता दें, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कुछ दिन पहले परोक्ष रूप से राहुल को 'मूर्खों का सरदार' कहकर संबोधित किया था। बालोतरा के बायतु में रैली में बोलते हुए राहुल ने कहा कि मोदी ने बड़े उद्यमियों के कर्ज माफ कर दिए और उन्हें सभी फायदे दिए।

उत्तराखंड में फंसे मजदूरों को भी दो मिनट दें

राहुल ने कहा, 'उत्तराखंड में सुरंग में मजदूर फंसे हुए हैं, जबकि मीडिया चौबीस घंटे क्रिकेट की बात कर रही है। अच्छी बात है? दो मिनट हमारे मजदूरों को भी दे दो। उन्होंने कहा, 'मेरा कहना है मीडिया में चौबीस घंटे मोदी का चेहरा आता है क्यों? क्योंकि नरेंद्र मोदी जी इनका काम करते हैं। अडाणी, अंबानी व नरेंद्र मोदी, बड़ा अच्छा सौदा है। नरेंद्र मोदी जी जीएसटी का पैसा उधर भेजते हैं, वे नरेंद्र मोदी का चेहरा इधर दिखाते हैं।'

जातिगत जनगणना 'एक्स-रे': वल्लभनगर में राहुल ने देश भर में जाति जनगणना की मांग सहित विभिन्न मुद्दों को भी उठाया। उन्होंने जाति जनगणना को देश का 'एक्स-रे' बताते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में आती है तो राज्य में और अगर पार्टी केंद्र में सरकार बनाती है तो देश में ऐसा जातिगत जनगणना कराएंगे। अगर हम अधिकारों की बात कर रहे हैं तो हमें यह तो पता लगाना ही पड़ेगा कि कितने लोग किस जाति के हैं।

जरूरी खबर

अवैध खनन कर पत्थर ले जाते चार आरोपी धरे

बहरोड़। अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर चालकों को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि बर्डोद के सरकारी स्कूल के पास कार्रवाई की गई, जहां खैरथल के मुंडावर क्षेत्र से अवैध खनन कर पत्थरों को बहरोड़ की तरफ ले जाया जा रहा था। इस मामले में मुंडावर निवासी हेमंत, नेमसिंह मीणा, विजय सिंह मीणा और संदीप मीणा को गिरफ्तार किया। जब्त पत्थरों की कीमत करीब 10-10 लाख रुपए बताई गई है।

मंदिर के पुजारी पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर

धौलपुर। कोतवाली थाना इलाके में रेलवे लाइन के नजदीक स्थित हनुमानजी मंदिर के पुजारी पर सोमवार रात अज्ञात बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। मंगलवार सुबह पुजारी मोहनदास (65) को खून से लथपथ पड़ा देख श्रद्धालुओं ने पुलिस को सूचना दी। पुजारी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। थाना प्रभारी रामकिशन यादव ने बताया पुजारी का मेडिकल कराया जा रहा है। उनके होंश में आने पर पर्चा बयान लिए जाएंगे। मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना को लेकर श्रद्धालुओं में आक्रोश दिखा। श्रद्धालुओं के अनुसार पुजारी मोहनदास पिछले 10 साल से मंदिर में रहकर सेवा-पूजा कर रहे थे।

गहलोत पर केस चलाने की अपील, सुनवाई 5 को

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को दिल्ली की एक अदालत से उन्हें कथित तौर पर बदनाम करने के मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर मुकदमा चलाने की अपील की। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने शेखावत की ओर से पेश दलीलें सुनीं। उनके वकील ने दावा किया कि गहलोत के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। मंगलवार को आरोप पर बहस पूरी हुई। अदालत अब 5 दिसंबर को सुनवाई करेगी। इसमें गहलोत की दलीलें सुनने की संभावना है।

सत्ता के लिए 'आप' की कसरत: दिल्ली के सीएम केजरीवाल और पंजाब के सीएम मान ने निकाला रोड शो

उपलब्धियां गिनाकर राजस्थान की जनता से मांगा एक मौका

बेधड़क | नीमकाथाना

राजस्थान में चुनावी रण में प्रचार अंतिम दौर में है। ऐसे में राजनीतिक दलों के दिग्गज अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए ऐडी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे।

दोनों नेताओं ने नीमकाथाना में अपने प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान दिल्ली सीएम केजरीवाल ने दिल्ली और पंजाब के उपलब्धियां गिनाते हुए राजस्थान की जनता से एक मौका मांगा। केजरीवाल ने शहीद जेपी यादव को याद करते हुए कहा कि संसद की रक्षा के लिए जेपी यादव ने अपनी जान गंवा दी थी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ईमानदार देशभक्त लोगों की पार्टी है। दस साल पहले बनी पार्टी की दो राज्यों में सरकार है। इससे समझा जा सकता है कि कुछ तो अच्छा किया होगा। उन्होंने कहा कि इंजीनियर हूं, काम करना आता है, राजनीति नहीं। पंजाब और दिल्ली में आप की सरकार हैं। यह छोटी सी पार्टी है। दस साल पहले बनी थी। दस साल में दो राज्यों में सरकार है। इन राज्यों में आपके रिश्तेदार होंगे।

दिल्ली-पंजाब के लोग अगर कह दें कि खुश हैं तो वोट देना, वरना मत देना। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने जिला अस्पताल से रोड शो की शुरुआत की। रोड शो में लोगों की भीड़ उमड़ी। रोड शो जिला अस्पताल के सामने से गुजरता हुआ कपिल मंडी तक पहुंचा। इस दौरान आम आदमी पार्टी के समर्थकों ने दोनों नेताओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।

मुझे एक मौका दो, आपके बच्चों का भविष्य बना दूंगा

अलवर के थानागाजी में दोपहर करीब 2 बजे अरविंद केजरीवाल, पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ हेलिकॉप्टर से पहुंचे। यहां रोड शो के दौरान केजरीवाल ने बाबा भृर्तहरि के जयकारे लगवाए। सभा को संबोधित करते हुए कहा- आपके बीच आकर मजा आ गया। दिल्ली-पंजाब में हमने बिजली मुफ्त कर दी है। दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है। दिल्ली में शानदार स्कूल बनाए हैं। केजरीवाल ने कहा कि मैं थानागाजी आपका वोट लेने नहीं आया, ये कहने आया हूं कि मुझे एक मौका दे दो। आपके बच्चों का भविष्य बना दूंगा। किसी पार्टी ने स्कूल-अस्पताल नहीं बनाए। हमने दिल्ली में 5 रुपए की गोली से 50 लाख रुपए का ऑपरेशन तक मुफ्त किया है। केजरीवाल ने कहा- मैं नेता नहीं, पढ़ा लिखा आदमी हूं। हमको काम करना आता है, राजनीति या भ्रष्टाचार करना नहीं आता। भ्रष्टाचार चाहिए तो दूसरी पार्टियों को वोट दे देना।

दिल्ली-पंजाब के दिलों में बसी 'आप'

थानागाजी में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा आज थानागाजी पहुंचकर नहीं लग रहा कि राजस्थान में हूं। लग रहा है कि संगरूर (पंजाब) में हूं। ये माहौल तो संगरूर में होता है। ये जज्बा हम दिल्ली और पंजाब में देख चुके हैं। उन्होंने कहा कि आप पार्टी आज दिल्ली और पंजाब के लोगों के दिलों में बस गई है। मान ने कहा कि हमारी क्या औकात है कि सीएम बन जाएं, हमने राजा-महाराजाओं से काम छीन लिया। आपके बेटे-बेटी भी विधायक-चेयरमैन बनेंगे। ये देश किसी के बाप की जागीर नहीं। एक सौ चालीस करोड़ लोगों का है।

राजस्थान की जनसभाओं में कांग्रेस पर बरसे नड्डा, शाह और योगी

कांग्रेस ने प्रदेश के युवा को ठगा भ्रष्टाचार व अपराध हुए बेलगाम

राजस्थान के चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों की ओर से जनसमर्थन जुटाने के लिए दिग्गज नेता प्रदेश में सभाएं कर रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कई जगहों पर जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार, सुरक्षा, महंगाई को रोकने सहित सभी क्षेत्रों में विफल बताया।

कांग्रेस राज में हुए पेपरलीक

बेधड़क | चाकसू

सीकर। जिले के धोद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि पिछले 5 साल में गहलोत सरकार के राज में राजस्थान को बहुत चोट लगी है। जिस राजस्थान की पहचान वीरों की भूमि से होती थी, आज इसकी पहचान भ्रष्टाचार के रूप होती है।

राजस्थान में बहू-बेटियों पर अत्याचार होता है। गहलोत सरकार ने किसानों को धोखा दिया। हर दिन दलितों पर अत्याचार के मामले सामने आ रहे हैं। नड्डा ने कहा कि गहलोत सरकार ने युवाओं के साथ लगातार अत्याचार किया है। इसके कारण राजस्थान में 19 बार पेपर लीक हुए। नड्डा ने कहा कि कांग्रेसियों ने पनडुब्बी घोटाला किया। कांग्रेसियों ने आकाश, समुद्र, धरती और पाताल तक नहीं छोड़ा हैं। उन्होंने गहलोत सरकार पर वृद्धावस्था पेंशन में 450 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा गहलोत के भाई ने सब्सिडी का फर्टिलाइजर चोरी करके एक्सपोर्ट किया।

गहलोत के रिश्तेदारों ने 11 हजार करोड़ का ठेका लिया। योजना भवन में ढाई करोड़ रुपए और एक किलो सोना मिला। इन सब बातों से जाहिर है सरकार किस कदर भ्रष्टाचार में डूबी है। नड्‌डा ने करीब 25 मिनट के भाषण में भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार, पेपर लीक, महंगाई जैसे मुद्दों पर गहलोत सरकार को घेरा।

मंडल आयोग रिपोर्ट की कांग्रेस है विरोधी: शाह

अलवर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अलवर के खैरथल, सीकर, नीमका थाना और झुंझुनूं के नवलगढ़ में जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कांग्रेस को पिछड़ा वर्ग विरोध बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछड़ा वर्ग को आगे बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने सभी जगहों पर पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की गहलोत सरकार वोट बैंक के लालच में तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। शाह ने गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब नाव डूबने लगी तो गारंटी लेकर आए हैं। उनकी गारंटी का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि उनकी खुद की कोई गारंटी नहीं है। गारंटी तो हमने दी है। जो गरीब परिवार हैं उनको 450 रुपए में गैस सिलेंडर, 2700 रुपए में गेहूं की खरीद का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करेंगे।

कांग्रेस 70 साल में नहीं रोक सकी आतंकवाद: योगी

डूंगरपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डूंगरपुर में प्रदेश कांग्रेस सरकार पर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस सरकार को अपराध, महिलाओं पर अत्याचार, भ्रष्टाचार को रोकने में पूरी तरह विफल बताते हुए कहा कि भाजपा ने देश में कश्मीर से धारा 370 हटाकर आतंकवाद को खत्म कर दिया। उसी तरह राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन की सरकार अपराध, भ्रष्टाचार और महिला अत्याचार को खत्म करने का काम करेगी। डूंगरपुर से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे यूपी सीएम योगी का पुलिस लाइन हेलीपेड पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जाशीला स्वागत किया। इसके बाद योगी अपने काफिले के साथ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान पहुंचे और जनसभा में पहुंचे। उनके यहां पहुंचते ही योगी-योगी के नारे और जय श्री राम के जयघोष गूंजने लगे। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रभु पंड्या ने डूंगरपुर की तस्वीर भेंट कर उनका स्वागत किया। योगी आदित्यनाथ ने भारत माता और जय श्री राम के जयकारों से अपना उद्बोधन शुरू किया।

दोनों ड्राइवरों की मौत, चार घायल

ट्रक के सामने अचानक आई गाय, बचाने के फेर में स्लीपर कोच से भिड़ंत

बेधड़क | चूरू

जिले में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। घने को घने कोहरे के बीच हाईवे पर ट्रक और स्लीपर कोच बस में भिड़त हो गई। बताया जा रहा है कि हाईवे पर गाय को बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ। इसमें दोनों वाहनों के ड्राइवरों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बस के केबिन में बैठे एक कांस्टेबल सहित चार लोग गंभीर घायल हो गए।

हादसा सरदारशहर में गांव साडासर और सावर के बीच मंगलवार सुबह 8 बजे हुआ। टक्कर के बाद 25 यात्रियों से भरी स्लीपर बस के यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। भानीपुरा थानाधिकारी गौरव खीडिया ने बताया कि सवारियों से भरी स्लीपर बस जयपुर से गंगानगर जा रही थी। वहीं ट्रक जयपुर की ओर जा रहा था। इसी बीच साडासर और सावर के बीच मोड पर ट्रक के सामने अचानक गाय आ गई। गाय को बचाने के चक्कर में ट्रक ड्राइवर ने साइड दबा दी। इसी दौरान सामने से आ रही बस से ट्रक की भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों के ड्राइवरों की मौत हो गई। वहीं बस के केबिन में बैठे चार लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद 25 यात्रियों से भरी बस में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची भानीपुरा पुलिस ने सभी घायलों को सरदारशहर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मृतक दोनों ड्राइवरों के शवों को मोर्चरी में रखवाया। फिलहाल, उनकी पहचान नहीं हो पाई है।

मृतकों-घायलों की हुई पहचान

सरदारशहर जिला अस्पताल के डॉ. किशन सिहाग ने बताया कि ट्रक ड्राइवर नायर सिंह (38) पुत्र कर्मवीर सिंह निवासी सतवाड़ा (पंजाब) और बस ड्राइवर गट्टू सिंह (35) पुत्र गुरजट निवासी गंगानगर की मौत हो गई। वहीं, पंजाब के राजेंद्र सिंह (38) पुत्र जसवीर सिंह और राजस्थान पुलिस के कांस्टेबल तारानगर चूरू के सुरेंद्र (35) पुत्र रंजीत, आरती (22) पुत्री ख्यालीराम सूरतगढ़, भानीदान चारण (40) पुत्र महेंद्र दान निवासी आनंदवासी गांव सरदारशहर घायल हुए हैं।

भगवामयी हुई कल्याण धणी की नगरी, समर्थकों ने लगाए नारे

BJP प्रत्याशी कन्हैयालाल का रोड शो

बेधड़क | डिग्गी

भाजपा प्रत्याशी कन्हैया लाल चौधरी ने मंगलवार को डिग्गी के कल्याणजी महाराज मंदिर में दर्शन कर स्थानीय लोगों से जनसंपर्क किया और रोड शो निकाला। वे सुबह अपने समर्थकों के साथ कल्याणजी मंदिर पहुंचे। इस दौरान मंदिर में पूजा अर्चना के बाद हजारों समर्थकों ने उनका जोशीला स्वागत किया। इस दौरान जेसीबी से चौधरी के काफिले पर पुष्पवर्षा की गई। भाजपा प्रत्याशी को जगह-जगह कई चीजों से तोला गया। रोड शो में जनसैलाब उमड़ा नजर आया। इस दौरान कन्हैयालाल के समर्थन में नारे गूंजते रहे। पूरा डिग्गी गांव भगवामय दिखाई दिया।

क्षेत्र के गांवों में बसपा प्रत्याशी का जोशीला स्वागत

रविन्द्र मीना को समर्थन देने की घोषणा

बेधड़क | करौली

बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी एडवोकेट रविन्द्र मीना को मीणा समाज के बाद अब गुर्जर और जाट बाहुल्य क्षेत्र में भी बड़ा जनसमर्थन मिल रहा है। मंगलवार को बसपा प्रत्याशी मीना ने राजपुरा और छत्रीपुरा क्षेत्र के गांवों में जनसंपर्क किया।

इस दौरान स्थानीय पंच-पटेलों और प्रमुख लोगों ने उनका माला और साफा पहनाकर स्वागत करते हुए समर्थन देने का ऐलान किया। बसपा के जिलाध्यक्ष जमुना लाल ने बताया कि प्रत्याशी मीना ने गांव अटक, राजापुरा, दुघाटी, छत्रीपुरा, गुर्जर दांत का पुरा, मासलपुर के बड़ापुरा सहित खेड़ा और जमालपुर गांव में घर-घर जाकर जनसंपर्क किया। इस दौरान लोगों ने जगह-जगह उनका स्वागत किया। गौरतलब है कि पूर्व में मीणा समाज के 84 गांव और 28 गांव में भी मीना को बड़ा जन समर्थन मिला।

उसके बाद अब अन्य समाज बाहुल्य गांवों में भी बसपा प्रत्याशी को बड़ा सम्मान मिल रहा है। बसपा प्रत्याशी एडवोकेट रविन्द्र मीना ने कहा है कि करौली क्षेत्र में विकास की विपुल संभावनाएं हैं। इसके लिए बसपा प्रत्याशी को जिताने से विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

जांच में नकली निकला एक हजार किलो दूध और पनीर

जयपुर डेयरी में मिलीभगत से खपाया जा रहा 'जहर'

बेधड़क | डूंगरपुर

सीआईडी क्राइम ब्रांच टीम की ओर से चाकसू थाना इलाके खेत्र के कौथुन में एक बीएमसी पर छापा मार जब्त किया गया 1000 लीटर दूध लेबोरेटरी जांच में नकली पाया गया है। इसके अलावा दौसा में बीएमसी एवं लोकल डेयरी से जब्त दूध और पनीर भी जांच में सिंथेटिक पाया गया।

इस नकली दूध की जयपुर डेयरी में सप्लाई के पीछे पुलिस ने बड़े गिरोह का हाथ होने की संभावना जताई है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने कहा कि मिली भगत के इस बड़े खेल में जयपुर डेयरी के अधिकारियों, बीएमसी और नकली दूध के सप्लायरों के बीच गठजोड़ की भूमिका की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरस डेयरी प्रशासन के किस व्यक्ति की मिली भगत से नकली और सिंथेटिक दूध जांच में पास होकर आसानी से बाजार में खपाया जा रहा है। इसमें बड़े गिरोह के होने की पूर्ण आशंका है। जल्द ही इसका भी खुलासा किया जाएगा। गौरतलब है कि स्टेट क्राइम ब्रांच की टीम ने 17 नवंबर को चाकसू थाना इलाके के कौथुन में गोविंद नारायण जाट नाम के व्यक्ति की बीएमसी 0958 पर छापा मार एक पिकअप में रखे पानी के ड्रम से 1000 लीटर दूध पकड़ा था। मौके पर सरस डेयरी और फूड डिपार्टमेंट टीम को भी बुलाया गया और दूध के सैंपल लिए गए। सैंपल की खाद्य विभाग की ओर से सेठी कॉलोनी जयपुर स्थित स्टेट सेंट्रल पब्लिक हेल्थ लैबोरेट्री से जांच करवाई गई। रिपोर्ट के अनुसार सैंपल के दूध में मृत कीट, रेत और गंदगी के कण पाए गए। जांच में दूध अनसेफ पाया गया।

धीमे जहर का काम करता है मिलावटी दूध

एडीजी ने बताया कि कैथवाड़ा, दौसा और कौथुन में जब्त किए गए दूध की जांच रिपोर्ट में साफ है कि इस दूध का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। इसमें कीड़े के साथ काले और भूरे कण मौजूद हैं। सिंथेटिक दूध में विभिन्न केमिकल, तेल और यूरिया इत्यादि का इस्तेमाल किया गया है। जयपुर डेयरी में इस दूध को भारी मात्रा में मिलाए जाने की संभावना थी, ताकि ऐसे अवयवों के परीक्षण की अज्ञात सीमा तक इस पतला किया जा सके। मिलावटी दूध स्वास्थ्य के लिए धीमे जहर का काम करता है। इससे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकार हो सकता है। किडनी, लीवर, फेफड़े और हृदय को नुकसान पहुंचता है। लंबे समय तक इस्तेमाल से कैंसर भी हो सकता है।

फल-फूल रहा मिलावट का कारोबार

भरतपुर, अलवर, दौसा सहित आस-पास के इलाके में नकली और मिलावटी दूध और मिठाइयों का कारोबार खूब फल फूल रहा है। सूनसान इलाकों में फैक्ट्रियां लगाकर जहर तैयार किया जा रहा है। पिछले दिनों सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने 8 नवम्बर को डीग जिले के कैथवाड़ा इलाके में स्थित कमालिया आईस इंडस्ट्रीज एवं मिल्क चिलिंग प्लांट पर छारा मारा था। इसमें विभिन्न केमिकल से बनाया गया भारी मात्रा में सिंथेटिक दूध पकड़ा था। यह सिंथेटिक दूध दौसा जिले के बांदीकुई और बैजूपाड़ा थाना स्थित तीन बीएमसी तथा सिकराय क्षेत्र में निजी डेयरी में सप्लाई किया जा रहा था। निजी डेयरी से टीम ने मावा एवं पनीर भी जब्त किया था। लेबोरेटरी जांच में दूध सिंथेटिक पाया गया। सैंपल के दूध में विभिन्न कैमिकल, यूरिया, वनस्पति तेल, वसा, रिफाइंड तेल मिला हुआ था। वहीं पनीर अधिक नमी और कम फैट के कारण घटिया पाया गया।

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

सड़क किनारे पड़ी मासूम को कुत्तों ने किया घायल

बेधड़क | पाली

एक निर्दयी मां ने अपने ही मासूम नवजात को मरने के लिए सड़क किनारे छोड़ दिया। इसके चलते कुत्तों ने उसे जगह-जगह से काट खाया। दो राहगीर युवकों ने उसे लहूलुहान हालत में देखा तो तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। अस्पताल में इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। मासूम के शरीर पर श्वानों के काटने के 50 से ज्यादा घाव हो गए।

घटना पाली शहर के बजरंगबाड़ी क्षेत्र की है। झाड़ियों में दो दिन की मासूम को श्वान नौंच रहे थे। उसके रोने की आवाज सूनकर सरफराज, शादाब और मोहसीन रुके। उन्होंने श्वानों को भगाया और मासूम को कपड़े में लपेटकर बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे। रेजिडेंट डॉ. मृदुल व्यास ने घायल नवजात को एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरू कराया गया।

श्वानों के काटने से मासूम का काफी खून बह गया था। इसके चलते इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पीडियाट्रिक विभाग के एचओडी डॉ. आरके विश्नोई ने बताया कि नवजात को जब हॉस्पिटल लाए तब वजन करीब 3 किलो तक था। उसके हर अंग से खून निकल रहा था। शरीर पर करीब 50 से अधिक घाव थे

दैनिक हिन्दी अख़बार
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

सच बेधड़क

वर्ष: 2 | अंक: 342 जयपुर, बुधवार, 22 नवंबर, 2023 | कार्तिक, शुक्ल पक्ष- दशमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में खुली जीप में निकले प्रधानमंत्री, शहरवासियों का किया अभिवादन

मोदी का 4 KM रोड पर जयपुर शो

फोटो: राजेश कुमावत

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने प्रचार में तेजी ला दी है। ऐसे में भाजपा के कई शीर्ष नेता भी चुनाव में आमजन के समर्थन के लिए रोड शो और सभाएं कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राजधानी के परकोटे में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने चार किमी तक खुली जीप में खड़े होकर लोगों का अभिवादन किया।

पीएम मोदी ने जैसे ही सांगानेरी गेट में प्रवेश किया तो चारों ओर से मोदी-मोदी और जय श्री राम के जयकारे शुरू हो गए। इस दौरान परकोटे का माहौल मोदीमय हो गया। वहीं जयपुरवासियों के स्वागत सत्कार को देख मोदी भी गदगद हो गए। उन्होंने भी जय श्री राम और भारत माता के जयकारे लगवाए। हालांकि, पीएम के रोड शो का रूट मुख्यतः किशनपोल विधानसभा में ही रहा, लेकिन रोड शो आदर्श नगर और हवामहल विधानसभा क्षेत्र से लगते हुए गुजरा। ऐसे में मोदी ने परकोटे की चारों सीट को कवर कर लिया। फिलहाल परकोटे की तीनों सीटों पर वर्तमान में कांग्रेस का कब्जा है। वहीं, इस बार बीजेपी ने तीनों सीटों पर नए प्रत्याशी उतारे हैं। यह तीनों सीटें मुस्लिम बहुल मानी जाती हैं।

व्यापार मंडलों ने भी किया प्रधानमंत्री का स्वागत

इस दौरान राष्ट्रीय व्यापारिक कल्याण बोर्ड के मंच पर महिलाएं भी मोदी का स्वागत करने के लिए पहुंचीं। बोर्ड के सदस्य सुभाष गोयल के नेतृत्व में सभी ने पीएम का स्वागत किया। वहीं, गणगौरी बाजार व्यापार मंडल के मंच से नाटाणियों की हवेली के लोगों ने स्वागत किया। साथ ही त्रिपोलिया बाजार व्यापार मंडल, गोपीनाथ व्यापार मंडल, जयपुर व्यापार महासंघ, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने भी पीएम मोदी का स्वागत किया।

रोड शो में बने 12 सांस्कृतिक मंच

रोड शो में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जिम्मेदारी संभालने वाले पूर्व उप महापौर मनीष पारीक ने बताया कि पूरे रास्ते में 12 सांस्कृतिक मंच बनाए गए। इसमें 2 पर बैंड वादन हुआ। 1 मंच पर 101 ब्राह्मणों की ओर से सृष्टि वाचन किया गया। वहीं, 9 सांस्कृतिक मंचों पर राजस्थानी संस्कृति की झलक देखने को मिली। इसमें कालबेलिया, घूमर, कच्छी घोड़ी, मांड गायन सहित नगाड़ा वादन और अन्य कलाकारों की ओर से प्रस्तुतियां दी गईं।

4 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी लगाए

सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 4 हजार अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी लगाए गए। परकोटे में यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की थी। जौहरी बाजार, हवामहल बाजार, रामगंज बाजार, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता, किशनपोल बाजार, बापू बाजार, नेहरू बाजार में मुख्य मार्गों पर वाहनों की पार्किंग नहीं की गई थी। ये मार्ग नो-व्हीकल जोन रहे। रोड शो के रूट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

सुबह से ही बंद किया परकोटे में यातायात

रोड शो के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने देर रात से ही परकोटे में मोर्चा संभाल लिया। सुबह होते ही परकोटे में यातायात को प्रवेश नहीं दिया। वहीं, बाजारों में भी आम दिनों के मुकाबले भीड़ कम रही। दुकानदारों ने भी अधिक सामान नहीं निकाला।

जयपुर में प्रधानमंत्री का पहला रोड शो

यह पहला मौका है जब राजधानी में प्रधानमंत्री का रोड शो हुआ। इससे पहले मोदी ने जयपुर में रोड शो नहीं किया। पीएम मोदी ने पिछले चुनावों में जयपुर में जनसभा को संबोधित किया था। वहीं, इस बार भी पीएम मोदी की जयपुर में 25 सितंबर को सभा हुई थी।

जगह नहीं मिली तो छतों पर हुए जमा

रोड शो में जयपुर जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से दो हजार कार्यकर्ताओं को लाने का निर्देश था, लेकिन फिर भी परकोटे में रहने वाले लोगों के अलावा बाहरी क्षेत्रों से भी लोग मोदी की एक झलक देखने पहुंच गए। ऐसे में सड़क पर शाम होते ही हुजूम उमड़ पड़ा। भीड़ पड़ने के कारण लोग परकोटे के बाजारों की छतों पर पहुंच गए। इस दौरान मोदी ने भी छतो पर मौजूद लोगों का हाथ हिला कर अभिवादन स्वीकार किया।

शहर के सभी प्रत्याशियों ने दिखाया दम

मोदी के रोड शो में उनके स्वागत के लिए 100-100 मीटर पर मंच बनाए गए थे। ये मंच विधानसभा उम्मीदवार और भाजपा के मंडलों की ओर से बनाए गए थे। इन मंचों पर भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ रही। कार्यकर्ता भी पूरे जोश के साथ मोदी का स्वागत करते नजर आए।

सीएम का बयान: बुद्धिजीवी व सृजनधर्मी हैं समाज की आवाज और आईना

भ्रम और झूठ प्रजातांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक: गहलोत

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राजस्थान के सृजनधर्मियों, संस्कृति कर्मियों और बुद्धिजीवियों ने सदैव धर्म निरपेक्षता और समतावादी समाज के निर्माण के साथ प्रदेश के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाई है। यह समय एक चुनौती लेकर हमारे सामने आया है।

ऐसे में हमें धर्म और जाति के नाम पर विद्वेष फैलाने वाली शक्तियों का डटकर मुकाबला करने की आवश्यकता है। गहलोत ने कहा कि वे सदैव इस बात के पक्षधर रहे हैं कि शिक्षाविद्, साहित्यकार, कलाकार और अन्य बौद्धिक वर्ग को अभिव्यक्ति की आजादी मिले। इसके साथ ही विचारों और सामाजिक संवेदनाओं का सम्मान करते हुए जनहित की नीतियों और योजनाओं में उनका समावेश हो।

कलाकारों को 100 दिन रोजगार की गारंटी

हमने कला, साहित्य और भाषायी अकादमियों का बजट बढ़ाया। रचनात्मक पुरस्कारों की राशि में अभिवृद्धि के साथ कलाकार-लोक कलाकारों को 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी है। राजस्थान रत्न सहित अनेक नये सम्मान प्रारम्भ किए। राज्य सरकार ने अभिव्यक्ति की आजादी पर कोई आंच नहीं आने दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनावों में एक तरफ विकास और लोक कल्याणकारी योजनाओं को अनवरत जारी रखने का सवाल है तो दूसरी तरफ वे शक्तियां हैं जो धर्म की राजनीति कर रही हैं और पूंजीपतियों का कवच बनी हुई है जिसका आमजन के हितों से सरोकार नहीं है।

हमने सद्भाव के लिए किए सार्थक प्रयास

गहलोत ने कहा कि हमने प्रदेश में भाईचारा और सामाजिक सद्भाव बनाए रखते हुए विश्वास का वातावरण बनाए रखने का सार्थक प्रयास करते हुए आमजन को महंगाई से राहत दी। जनजीवन को आसान बनाने का हर संभव प्रयास किया है। प्रदेश में कला, साहित्य एवं संस्कृति और गुणात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित किया है। प्रदेश में रिकार्ड संख्या में विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों की स्थापना के साथ सभी अकादमियों और बोर्डों का गठन कर उन्हें गति प्रदान की है। नवाचारों की दृष्टि से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर जैसी संस्थाओं की स्थापना के साथ सेमिनार, संगोष्ठी स्थलों, प्रदर्शनी कक्ष और प्रेक्षागृहों का निर्माण करवाया है।

ताकि प्रदेश की महान परंपरा अक्षुण्ण रहे

गहलोत ने सभी संस्कृति कर्मियों और बुद्धिजीवियों से अपील की है कि वे प्रदेश की खुशहाली, समृद्धि और सामाजिक सद्भाव की ऐतिहासिक विरासत और महान परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अपने रचनात्मक प्रभाव का उपयोग करते हुए विकास और सामाजिक समरसता के लिए कांग्रेस प्रत्याशियों को विजयी बनाने में सहयोग करें ताकि राजस्थान देश में विकास का नया मॉडल और समृद्ध राज्य बनकर उभर सके।

गंगानगर के निर्दलीय प्रत्याशी का निधन

जयपुर। श्रीगंगानगर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी राधेश्याम का मंगलवार रात निधन हो गया। राधेश्याम कैंसर से पीड़ित थे। उनकी आयु करीब 65 वर्ष बताई गई है। पुरानी आबादी के वार्ड छह में रहने वाले इस प्रत्याशी को निवार्चन विभाग की ओर से चुनाव निशान प्रेस आवंटित किया गया था। उधर, चुनाव आयोग के अधिकारियों की टीम ने संबंधित प्रत्याशी के आवास पर जाकर फीडबैक लिया। हालांकि चुनाव स्थगित करने को लेकर अभी कोई निर्देश जारी नहीं किया गया। गौरतलब है कि पिछले दिनों करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी एवं मौजूदा विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर का निधन हो गया था।

हिमालय को सुरंगों से बचाना बेहद जरूरी

सुरेश भाई
पर्यावरणविद् व सामाजिक कार्यकर्ता

"हिमालय को लालच की वस्तु न समझा जाए। यहां की पारिस्थितिकी को केवल आर्थिक लाभ के लिए न तौला जाए। हिमालय देश का मुकुट है। इसे पर्यटकों का ऐशगाह न बनाएं। हिमालय की संवेदनशीलता को समझते हुए अनियोजित विकास पर नियंत्रण करना बहुत जरूरी हो गया है।"

उत्तराखंड में 12 नवंबर, 2023 से ऑल वेदर रोड के लिए निर्माणाधीन सिल्क्यारा सुरंग में भारी भू-धंसाव के कारण 40 से अधिक मजदूर फंसे हुए हैं। इस सुरंग की लंबाई 4.5 किमी है। जिस स्थान पर भूस्खलन हुआ है वह सुरंग के मुहाने से 230 मीटर अंदर है। इसके आगे काम कर रहे मजदूर जिंदगी और मौत के बीच फंसे हैं। उन्हें सकुशल बाहर निकालने के लिए स्थानीय प्रशासन से लेकर राज्य और केंद्र की सरकार ने अनेकों मशीन देश-विदेश से मंगा दी है, लेकिन मलवा हटाते समय मशीनें जल्दी ही खराब हो रही है। सुरंग के अंदर आए मलवे में भारी पत्थर जमा हो रखे हैं। जैसे-जैसे उनको हटाने का प्रयास होता है तो वहां उतना ही मलवा फिर से गिरकर जमा हो जाता है। वैसे यह स्थिति तब तक बरकरार रहती है, जब तक पूरा मलवा नीचे नहीं उतरता है, क्योंकि सुरंगों का निर्माण अधिकांश विस्फोटों से किया जाता है। इसके कारण पूरा पहाड़ हिल जाता है। भूकंप भी इस क्षेत्र में लगातार आ रहे हैं और धरती में दरारें पड़ रही है। बारिश के समय पानी भी इसमें जमा होने से पहाड़ नासूर होकर दरकने शुरू होते हैं। यहां स्थिति इसलिए भी गंभीर बनती जा रही है कि जिस स्थान पर सुरंग के अंदर भारी मलवा जमा हो गया है। वहां पहले भी ऊपर से भूस्खलन होता रहा है, लेकिन उसको नजरअंदाज किया गया। निर्माण एजेंसी अपना काम आगे बढ़ाती रही, लेकिन पहले से बने संवेदनशील हिस्से का उपचार करना छोड़ दिया।

यदि वे समय रहते काम करते तो शायद यह नौबत नहीं आती। उत्तराखंड में सुरंग आधारित परियोजनाओं के निर्माण में ऐसी अनेक लापरवाही नजर आती है। जिस पर सन् 2000 से सवाल खड़े होते रहे हैं। यहां सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए बहुत मेहनत से काम किया जा रहा है, जिसके चलते उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि वे सुरंग आधारित परियोजनाओं पर पुनर्विचार करेंगे। अच्छा हो कि मजदूर सकुशल बाहर आ जाएं, इसके बाद यदि वे अपने बयान पर टिके रहते हैं तो उत्तराखंड हिमालय की संवेदनशीलता को देखकर सुरंग आधारित परियोजनाओं के निर्माण को त्याग देंगे? यदि इस घटना के बाद संभल जाते हैं तो आधे से अधिक पहाड़ को भूस्खलन से बचाया जा सकता है। लेकिन दूसरी ओर गौर करें तो उत्तराखंड में सुरंग आधारित परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार बहुत उत्साहित दिखाई देती है। यहां सड़क, रेल लाइन, पार्किंग जैसी व्यवस्था को सुरंगों के अंदर ले जाने के लिए चिंतन मनन चल रहा है। पिछले दिनों देहरादून में सुरंग विशेषज्ञों को बुलाकर सुझाव भी मांगे गए है। चारधाम यात्रा को पूरी तरह पर्यटन में तब्दील करने के लिए सुरंग आधारित परियोजनाओं को अधिक महत्व देने का अर्थ है कि कम समय में अधिक दूरी तय की जाए। लेकिन सरकार यह भूल रही है कि जिन तीर्थ स्थलों और पर्यटन क्षेत्र तक पहुंचने के लिए बीच में छोटे-छोटे बाजार बने हैं। लोगों के रोजगार के कई साधन खड़े हुए हैं। बाहर से आने वाले लोग होटलों में रुकते हैं। सामान खरीदते हैं। फिर आगे बढ़ते हैं। क्या उन्हें सुरंग के बाहर धकेले दिया जाएगा और पर्यटन से रोजगार देने की बात किसके लिए हो रही है? यह तो केवल एक पहलू ही है। दूसरा हिमालय के इस पर्वतीय भू-भाग की संवेदनशीलता के बारे में हर स्तर से कहा जा रहा है कि इस युवा पर्वत पर देश में कुल भूस्खलनों में उत्तर पश्चिम हिमालय का योगदान 67% के बराबर है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2000 से 2017 के बीच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर और लद्दाख में 20196 भूस्खलन की घटनाएं हुई है।

हिमाचल प्रदेश में 1674, उत्तराखंड में 11219, जम्मू कश्मीर में 7280 और लद्दाख में 23 घटनायें हुई है। भूस्खलन की घटनाएं केवल बरसात में नहीं बल्कि सभी मौसमों में हो रही है याद करना चाहिए कि फरवरी 2021 में ऋषि गंगा में आई भीषण बाढ़ के कारण तपोवन टनल में 206 मजदूर मलवे में दब गए थे। इसी तरह सन् 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में सुरंग के ऊपर बसे जामक गांव में सबसे अधिक मौतें हुई थी। सन् 2005 में जोशियाडा- धरासू सुरंग में भी 20 मजदूर 14 घंटे तक फंसे रहे हैं। सन् 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी सुरंग आधारित परियोजनाओं से जमा हुए मलवे के कारण ही अधिकांश जिंदगियां बर्बाद हुई है। हाल ही में चर्चित जोशीमठ भू-धंसाव का कारण भी स्थानीय लोग यहां नीचे टनल निर्माण को ही मानते हैं।

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का अधिकांश हिस्सा सुरंग के रूप में निर्माणाधीन है। यहां भी सुरंग के ऊपर आने वाले लगभग 30 गांव के घरों में दरारें पड़ चुकी हैं। जल स्रोत प्रभावित होने जैसी अनेकों समस्याएं आ रही हैं। सुरंग के इन दुष्प्रभावों के बाद भी रानी पोखरी- टिहरी झील तक 32 किमी, घुत्तू -गुप्तकाशी तक 11 किमी, देहरादून से मसूरी तक, देहरादून - गंगोत्री रेल मार्ग निर्माण के लिए लगभग 70 किमी से अधिक सुरंग के निर्माण पर विचार हो रहा है। इसके साथ ही उत्तराखंड में प्रस्तावित 558 बांधों से भी लगभग 1500 किमी लंबी सुरंगें बन सकती है। इस बारे में सोशल मीडिया पर पर्यावरणविद् और आमजन लिख रहे हैं कि क्या इन सुरंगों के अंदर जाने वाली रेलगाड़ी और वाहनों में जिंदगी अटकने की संभावनाओं से कोई इंकार कर सकता है?

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

कार्बन उत्सर्जन में पहले के मुकाबले तेजी से बढ़ोतरी जारी

जलवायु आपातकाल की ओर दुनिया!

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

"जलवायु परिवर्तन में इसका सबसे ज्यादा योगदान है। साथ ही मीथेन जो दशकों तक वातावरण में बनी रहती है और नाइट्रस ऑक्साइड के स्तर में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी खतरनाक संकेत है। इस सबके लिए किसी और को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका सबसे बड़ा दोषी इंसान ही है जिसकी वजह से ही 1.32 डिग्री धरती गर्म हुई है।"

जलवायु परिवर्तन वर्तमान में वैश्विक स्तर पर ऐसी समस्या बन गई है जिससे निपटने को दुनिया के देश अपने स्तर से काम कर रहे हैं, लेकिन समाधान मिलता नजर नहीं आ रहा है। इसमें भी सबसे चिंतनीय स्थिति यह है कि आज धरती तप रही है। उसमें सबसे बडी चिंता की बात यह है कि इसमें दिनोंदिन तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। यह थमने का नाम नहीं ले रही है।

गौरतलब यह है कि वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के उद्देश्य से 2015 में 196 देशों ने पेरिस अंतरराष्ट्रीय जलवायु समझौते के तहत तय किया था। इस दिशा में अभी तक कितनी कामयाबी मिली है, यह परखने का समय है। हकीकत यह है कि अभी भी दुनिया पेरिस समझौते के लक्ष्य से बहुत दूर है और हाल-फिलहाल उस लक्ष्य को पाने की उम्मीद भी कम है। मौजूदा हालात इसकी गवाही देते हैं। हकीकत यह भी है कि लोग अभी भी जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। सबसे खतरनाक स्थिति यह है कि दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के बढ़ने की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है जो शिखर पर पहुंचने के कगार पर है। हम दावे कुछ भी करें हकीकत यह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाले देशों में भारत का नंबर तीसरा है। हमसे ऊपर अमेरिका और शीर्ष पर चीन है।

हमारे बाद रूस, जापान, ईरान और जर्मनी का नंबर आता है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि दुनिया में आने वाला समय इंसान के लिए कितना मुश्किल होगा। ऐसी स्थिति में जलवायु प्रभावों से बचने के लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। हकीकत यह है कि धरती को सुरक्षित रखने के आठ में से सात उपाय विफल हो चुके हैं। इन उपायों में धरती का तापमान एक डिग्री सेल्सियस बढ़नेसे रोकना, कार्यात्मक अखंडता, सतह के जलस्तर का उपयोग, भूजल स्तर घटने से रोकना, नाइट्रोजन और फॉस्फोरस का सीमित उपयोग और ऐयरोसोल का कम उत्सर्जन शामिल है। इसके परिणामस्वरूप पूरी दुनिया के लोगों की सेहत और 20 लाख प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। इनमें 24 फीसदी जीव, 27 फीसदी पौधे और 18 फीसदी कशेरुकी प्रजाति शामिल हैं। हालत यह है कि पौधों और प्रजातियों के गायब होने की दर दोगुणी से भी ज्यादा हो गई है। इसके लिए प्रमुख रूप से मानवीय गतिविधियों के चलते बढ़ता तापमान और प्रदूषण जिम्मेवार है। इसका मुख्य कारण इंसानों द्वारा प्रकृति के क्षेत्र में योगदान न देना है। हकीकत यह है कि दुनिया की लगभग 52 फीसदी भूमि पर अतिक्रमण करके दो या उससे अधिक उपायों का उल्लंघन किया जा रहा है।

इससे दुनिया की कुल आबादी का 86 फीसदी हिस्सा प्रभावित हुआ है। भारत में कहीं सूखे की स्थिति है तो कहीं जरूरत से ज्यादा बारिश का मंजर है। ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन के प्रभाव से भारत भी अछूता नहीं है। वैश्विक तापमान में वृद्धि के प्रभाव में भारत में भी औसत तापमान में वृद्धि हुई है। हिंद महासागर के स्तर में भी वृद्धि हुई है जो भारतीय भू-भाग को हर साल 3.3 मिलीमीटर की मात्रा में निगल रहा है। देश की संसद में पेश आंकडों के मुताबिक 1993 और 2017 के बीच भारत के आसपास समुद्र के स्तर में कुल मिलाकर 7.92 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। जहां तक कार्बन डाई ऑक्साइड का सवाल है, कार्बन डाई ऑक्साइड का औसत वार्षिक स्तर 2022 में रिकॉर्ड 417.9 पी पी एम पर पहुंच गया है जो औद्योगिक काल से पहले की तुलना में 50 फीसदी ज्यादा है। जलवायु परिवर्तन में इसका सबसे ज्यादा योगदान है। साथ ही मीथेन जो दशकों तक वातावरण में बनी रहती है और नाइट्रस ऑक्साइड के स्तर में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी खतरनाक संकेत है। इस सबके लिए किसी और को जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इसका सबसे बडा दोषी इंसान ही है जिसकी वजह से ही 1.32 डिग्री धरती गर्म हुई है। जैसे ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन, वनों का विनाश जिसकी वजह से कार्बन सोखने की पर्याप्त क्षमता की कमी आदि। इसमें जीवाश्म ईंधन की सबसे बडी भूमिका है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की हालिया रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है।

यहां इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि कार्बन डाई ऑक्साइड का वातावरण में जीवन काफी लम्बा होता है। इसका उत्सर्जन यदि शून्य भी हो जाये तो भी तापमान में इसका प्रभाव दशकों तक बना रहता है। यह भी कि जलवायु पर बढ़ते तापमान में ग्रीन हाउस गैसों में कार्बन डाई ऑक्साइड की हिस्सेदारी 78 फीसदी है जो सबसे बडा कारक है। यूरोपीय संघ के कापरनिकस जलवायु पैनल की उप प्रमुख सामंथा बर्गेस का इस बारे में एकमुश्त राय है कि दुनिया में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन तत्काल बंद किया जाए। बीते महीने दुनिया के अनेक इलाके बाढ़ और आग की स्थिति से जूझने को मजबूर हुए। अगस्त में मध्य यूरोप और स्कैंडेनेविया के बड़े हिस्से में बाढ़ जबकि फ्रांस, ग्रीस, इटली और पुर्तगाल में ऐसा सूखा पडा कि वहां भीषण आग लग गई। दक्षिणी अमेरिका, अंटार्कटिका के आसपास और ऑस्ट्रेलिया में भी औसत से काफी ऊपर तापमान दर्ज किया गया। हालात पर नजर डालें तो साल 2023 तापमान बढोतरी के मामले में शीर्ष पर रहा है। बीते महीनों की गर्मी ने तो अभी तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। सितम्बर में दक्षिणी अमेरिका में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पडी।

न्यूयार्क में रिकॉर्ड बारिश हुई। महासागरों का तापमान बढ़ा। अत्यधिक तापमान के कारण दुनिया में हीटवेव और जंगल की आग की घटनाओं में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई। वैज्ञानिकों ने 2023 रिकॉर्ड गर्म साल होने की आशंका जताई थी। यह भी कि इस साल कार्बन प्रदूषण उच्चतम स्तर पर पहुंच जाएगा। हालात ने यह साबित भी किया है और 2024 उससे भी अधिक गर्म होगा। इसमें कोयले से कार्बन उत्सर्जन का अहम योगदान है। 2022 में अकेले कोयले से कार्बन उत्सर्जन 15.5 बिलियन टन के करीब था जो तेल और प्राकृतिक गैस सहित किसी भी अन्य जीवाश्म ईंधन से अधिक था। 2023 में उसमें और इजाफा हुआ है। सिसरो के निदेशक ग्लेन पीटर्स की मानें तो अब कार्बन उत्सर्जन में पहले के मुकाबले बढोतरी जारी है। गरमाती धरती से तूफान दिन-ब-दिन और घातक हो जाएंगे, मानसून की अनिश्चितता से घिरे 27 देशों में सामान्य मौसम का पैटर्न बिगड़ जाएगा, कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा तो कुछ में सूखा पड़ेगा। चिंता इस बात की है कि यदि जलवायु खतरों से निपटने के प्रयास इसी ढर्रे पर जारी रहे तो साल 2024 आपदाओं का साल होगा और सदी के अंत तक तापमान में बढोतरी तीन डिग्री तक पहुंच जाएगी। इससे समूची दुनिया को जलवायु आपात काल का सामना करना पड़ सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

देश बचाने पर आमादा

मनीष कुमार चौधरी
व्यंग्यकार

वे राजनीति में आए ही इसलिए थे कि किसी तरह देश बच जाए। मुमकिन था कि यदि वे न आते तो देश डूब ही जाता। देश तो वे खैर क्या बचा पाते, जिस-जिस पार्टी में रहे, उसी को बचा नहीं पाए। सवाल बड़ा मौजूं है कि वे देश को किससे बचाना चाहते हैं। भ्रष्टाचार से..! नहीं-नहीं, भ्रष्टाचार से बचाएंगे तो राजनीति में क्या करेंगे? वे यही करने तो राजनीति में आए हैं। आतंकवाद से? क्या बात करते हैं आप! जिसकी वजह से आतंकवाद पनपा और अपना वोट बैंक बचाने के लिए जिन आतंकियों को पाला-पोसा उनसे देश को बचाएंगे तो वे खुद नहीं मिट जाएंगे! तो क्या सांप्रदायिकता, जात-पांत, भाई-भतीजावाद से देश को बचाना चाहते हैं? फिर से बचकाना सवाल।

जात को आगे रखकर, सांप्रदायिकता की नाव पर सवार होकर, भाई-भतीजावाद के सहारे राजनीति के समुद्र में जो आया हो, उससे देश बचाने की अपेक्षा करेंगे तो वे आप पर देश को डुबोने का आरोप लगा सकते हैं। फिर वे देश को बचाना किससे चाहते हैं? कहते तो वे यही हैं कि देश बचाना है। पिछले चुनाव में उन पर देश बचाने का ऐसा भूत सवार हुआ था कि वे अपना राज्य छोड़ देश नापने निकल पड़े थे। देश बचा या नहीं, यह तो नहीं मालूम, पर जब घूम-फिरकर अपने राज्य वापस पहुंचे तो पता चला, उस राज्य में उनका राज नहीं बचा। हालांकि देश अब भी शान से सीना तान कर खड़ा (बचा) हुआ था। जाहिर-सी बात है। इस इलाके के नेता उस इलाके में जा कर और उस इलाके के नेता इस इलाके में आकर देश को बचाएंगे, तो उस इलाके के नेता देश को बचाने कहां जाएंगे? पर किया भी क्या जा सकता है। देश बचाने का ठेका नेताओं के पास सर्वाधिकार सुरक्षित है। जिन्होंने डुबोया है, वही तो बचाएंगे। जनता देश में रह सकती है, देश को बचा नहीं सकती। तुम ने उसे इस लायक छोड़ा भी नहीं है। शायद देश को बचाना, अपने राज को बचाने से ज्यादा आसान होता है। इसलिए जिस नेता को जब भी मौका मिलता है, वह देश को बचाने पर आमादा हो जाता है। लेकिन प्रश्न तो अब भी वही है। नेता देश को बचाना चाहते हैं, किससे बचाना चाहते हैं? वे देश को एक-दूसरे से बचाना चाहते हैं। इस पार्टी के नेता उस पार्टी के नेताओं से देश को बचाना चाहते हैं, उस पार्टी के इस पार्टी से बचाना चाहते हैं। इस नेता की नजर में उस नेता से देश को खतरा है, और उस नेता की नजर में खतरा इससे है। लब्बोलुआब यह कि यह नेता उस नेता से देश को बचाना चाहता है, वह नेता इस नेता से देश को बचाना चाहता है। यानी नेता को नेता से ही खतरा है और देश को नेता से बचाना है। पर देश बचाने वाले नेताओ.. जरा रहम करो। आप देश को बचाना चाहते हैं, उधर डरा-सहमा वोटर देश को आप से ही बचाना चाहता है। आप देश बनाने, देश जोड़ने, देश जगाने की बात कर लो, बचाने की नहीं...। जब भी आप कहते हैं, देश को बचाना है, कुछ यूं सुनाई पड़ता है- 'देश को खाना है।' और कितना खाओगे देश को। देश ही खत्म हो गया तो किसे बचाओगे, किसे खाओगे!

नॉलेज कॉर्नर: महिलाओं को जवान बनाने के लिए होता है इसका इस्तेमाल

सबसे खतरनाक जहर है बोटुलिनम टॉक्सिन

साइनाइड नाम तो आपने जरूर सुना होगा। दरअसल, ये दुनिया के सबसे खतरनाक जहर में से एक है। दुनियाभर में साइनाइड से जुड़े कई किस्से मौजूद हैं। जिनमें श्रीलंका के आतंकी संगठन लिट्टे का नाम भी शामिल है। बताया जाता है कि लिट्टे के आतंकी अपनी गर्दन में साइनाइड की एक छोटी-सी पोटली बांधे रहते थे और पकड़े जाने पर उसे तुरंत निगल लेते थे। साइनाइड इतना खतरनाक जहर है कि ये इंसान को बचने या बचाने का कोई मौका नहीं देता है। हालांकि ये सबसे ज्यादा जहरीला रसायन नहीं है। आखिर दुनिया का सबसे जहरीला रसायन कौन सा है और ये कितना खतरनाक है, जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

बैक्टीरिया से बनता है ये रसायन

दुनिया के सबसे खतरनाक जहर का नाम है बोटुलिनम टॉक्सिन। इस जहर का सिर्फ एक नैनो ग्राम आपकी पल भर में जान ले सकता है। इस जहर को बनाने में क्लॉस्ट्रीडियम बोटुलिनम नाम के बैक्टीरिया का इस्तेमाल किया जाता है। इंसान को फूड पॉइजनिंग इसी बैक्टीरिया की वजह से होता है। ये इतना खतरनाक है कि बाजार में आपको कहीं भी नहीं मिलेगा। इस जहर को सिर्फ वही कंपनियां खरीद सकती हैं जिनके पास इसकी परमिशन हो।

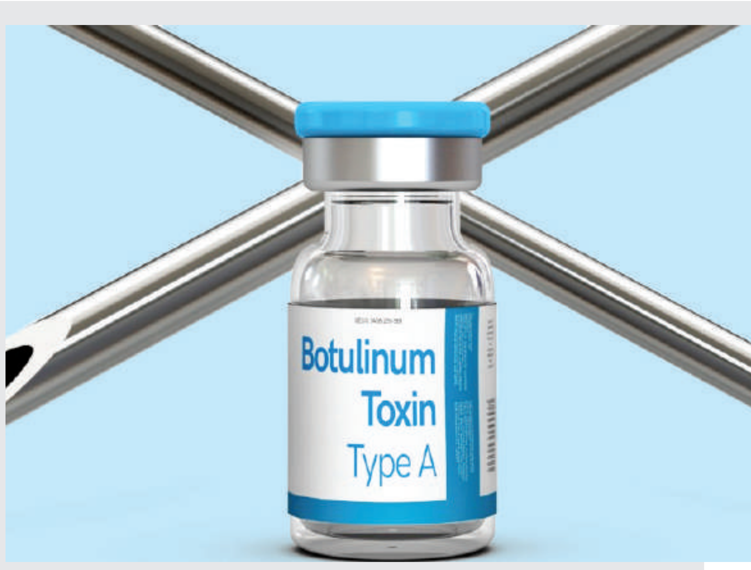

बनते हैं ब्यूटी प्रोडक्ट

बोटुलिनम टॉक्सिन एक तरफ जहां इंसान की जान ले सकता है। वहीं दूसरी ओर इसकी मदद से कई ब्यूटी प्रोडक्ट बनाए जाते हैं। आपको बता दें, इस जहर की मदद से एक फेस फ्रीजिंग इंजेक्शन बनाया जाता है, जिसे बोटॉक्स कहते हैं। लोग इसका इस्तेमाल खुद को जवान बनाए रखने के लिए करते हैं। दरअसल, इसके इस्तेमाल से चेहरे पर झुर्रियां नहीं होती हैं। दरअसल, एक तरफ ये जहर जहां जानलेवा है। वहीं दूसरी ओर इस जहर की मदद से कई अन्य प्रोडक्ट भी तैयार किए जाते हैं।

ये जहर भी हैं खतरनाक

साइनाइड और बोटुलिनम टॉक्सिन तो खतरनाक है ही लेकिन इसके साथ-साथ आर्सेनिक या टेट्रोडोटॉक्सिन जैसे भी जहर होते हैं जो बेहद खतरनाक होते हैं। ये जहर बड़े आराम से किसी को भी मौत दे सकते हैं। गलती से एक बार भी यदि ये शरीर के भीतर चले गए तो मौत पक्की समझिए।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

X

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता
@RahulGandhi
कांग्रेस की गारंटी = गरीबों को न्याय, जनता की प्रगति! मोदी की गारंटी = अडानी की तरक्की, जनता पर पनौती!

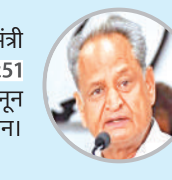

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री
@ashokgehlot51
गृहलक्ष्मी, ओपीएस पर कानून
हाथ को वोट यानी गारंटी से सुकून।

जगदीश वासुदेव, योग गुरु
@SadhguruJV
आप जीवन को सचेत रूप से संभालते हैं या अनजाने में, यह आपके जीवन की प्रकृति, संदर्भ और गुणवत्ता को निर्धारित करता है।

चुनावी पोळ

वादां रा बोल घणा,
कमल घणेरा हाथ।
कायापलट रो सूपणो,
चालो म्हारे साथ।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव | दोनों पार्टियों के वादों से अनुसूचित जाति के लोगों में खुशी के साथ कसक भी

गेम चेंजर एससी मतदाताओं को रिझाने की दोनों ओर से कवायद

बजरंग लाल बुनकर | बेधड़क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में सभी पार्टियों व प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। प्रदेश के सभी इलाकों में प्रचार-प्रसार का दौर चरम पर है। चुनाव के समीकरणों को देखें तो प्रदेश में किसी भी सरकार की ताजपोशी में अनुसूचित जाति के मतदाताओं की भूमिका अहम रहने वाली है। अनुसूचित जाति की बड़ी भूमिका को दिखाने के लिए ये आंकड़े काफी हैं कि राजस्थान में 200 में से 34 यानि 17 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। प्रदेश में अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या 1.2 करोड़ है जो करीब 18 प्रतिशत है। ऐसे में दोनों बड़ी पार्टियों के साथ ही अन्य पार्टियों की नजर भी एससी वोटर्स पर है। चंद्रशेखर रावण की आजाद समाज पार्टी के हनुमान बेनीवाल की आरएलपी के साथ गठबंधन के बाद मेवाड़ व मारवाड़ के समीकरण देखने लायक होंगे। वहीं बसपा का पिछले चुनावों का प्रदर्शन देखें तो यह पार्टी भी चुनावी गणित को प्रभावित करेगी। दूसरी ओर हाल ही घोषित किए गए भाजपा व कांग्रेस के घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकन एससी समुदाय में खुशी व कसक का मिलाजुला माहौल है। समाज की लंबे समय से चली आ रही कुछ मांगें अभी भी घोषणापत्रों से बाहर हैं वहीं कुछ नई घोषणाओं से समाज के लोग खुश भी हैं। हालांकि चुनावी घोषणाओं के साथ ही स्थानीय समीकरण व कई अन्य फैक्टर भी परिणामों को प्रभावित करेंगे। अब ये देखने वाली बात होगी कि अनुसूचित जाति के मतदाता अपने हिस्से का ताज कौनसी पार्टी को सौंपते हैं।

कांग्रेस ने किए ये वादे

- एससी एवं एसटी के लिए जनगणना के अनुसार आरक्षण के प्रतिशत को संशोधित करना। हालांकि इसमें सरकारी नौकरियों एवं शिक्षण संस्थानों के बारे में स्पष्टता नहीं है।
- संविदा रोजगारों में एवं सहकारी समितियों के पदाधिकारियों में आरक्षण।
- सरकारी विभागों और स्थानीय निकायों में अनुबंधित सफाई कर्मचारियों की जगह सीधे रोजगार।
- बैकलॉग पदों की भर्तियां सुनिश्चित करना
- राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन एवं आदर्शों से संबंधित पाठ्यक्रम शामिल करना।
- एससी एवं एसटी के बच्चों को शिक्षा में सहायता के लिए 3000/- प्रतिमाह की छात्रवृत्ति।
- जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाना
- सामाजिक रूप से उत्पीड़ित जातियों के उद्यमियों के लिए बिना गारंटी ऋण।
- एससी-एसटी पर अत्याचारों में कमी के लिए ईमानदार एवं निष्पक्ष अधिकारियों की नियुक्तियां, फास्ट ट्रैक कोर्ट एवं शिकायत निवारण ढांचा मजबूत करना
- एससी-एसटी के व्यक्तियों को आवंटित कृषि भूमि को दूसरों के कब्जे से मुक्त कराने के लिए कानून बनाना।
- एससी-एसटी सब प्लान को अधिनियम में बदलना एवं इसकी 25% राशि महिलाओं के लिए आरक्षित करना। इन वर्गों की महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण में बहुत बड़ा कद

"कांग्रेस की संशोधित आरक्षण प्रतिशत के आधार पर नौकरी की घोषणा लागू होती है तो एससी को 20-25 हजार नौकरियों का फायदा मिलेगा। दोनों पार्टियों ने अनुसूचित जाति आयोग को संवैधानिक दर्जा देने की हमारी मांग को शामिल नहीं किया जिससे निराश हैं। डॉ. अंबेडकर के जीवन को पाठ्यक्रम में शामिल करने व तीर्थयात्रा की दोनो पार्टियों की घोषणा सराहनीय है।

-**जीएल वर्मा**, महासचिव, अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, जयपुर

पिछली बार कांग्रेस को मिला था एससी वोटर्स का साथ

2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने 19 एससी आरक्षित सीटों पर जीत हासिल की थी। इससे पहले 2013 में प्रदेश की एससी सीटों पर बीजेपी को कांग्रेस पर 17 प्रतिशत वोट शेयर की बढ़त मिली थी, जो 15 वर्षों में सबसे कम बढ़त थी। 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी ने एससी आरक्षित सीटों पर कांग्रेस से करीब 25 प्रतिशत वोट शेयर की बढ़त हासिल की थी। 2008 के बाद से बीजेपी को इन सीटों पर हर चुनाव में कम से कम 35 फीसदी वोट मिले हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में भी जब कांग्रेस सीटों और वोटों के मामले में आगे थी, तब बीजेपी को इन सीटों पर कांग्रेस से सिर्फ 1.57 फीसदी कम वोट मिले थे। चौथे परिसीमन के बाद राज्य में तीन विधानसभा और तीन लोकसभा चुनाव हुए हैं। इन 6 चुनावों के नतीजों में तीन-तीन चुनावों में भाजपा और कांग्रेस दोनों का दबदबा रहा है। 2013 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एससी आरक्षित क्षेत्रों में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी।

भाजपा ने की ये घोषणाएं

- अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सरकारी पदों को शीघ्रता से भरना।
- अनुसूचित जाति प्रमाण पत्रों का वितरण समयबद्ध रूप से करना।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रेप्यूट में प्रवेश पाने वाले एससी के छात्रों को शत प्रतिशत वित्तीय सहायता।
- एससी समुदाय के विकास व शिकायतों के निवारण के लिए कल्याण बोर्ड का गठन।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी से जुड़े पंचतीर्थ भ्रमण के लिए अंबेडकर तीर्थ स्थल यात्रा योजना।
- मैनुअल स्केवेंजिंग से जुड़े मजदूरों को प्रशिक्षण व पुन: रोजगार के लिए वित्तीय सहायता।

बिहाइंड द कर्टेन

दूर तक जाएगी इस महाभारत की गूंज

एक घोषणा पत्र और जारी हो गया। कुछ और देने के वादे हैं। ये भी दे रहे हैं वे भी देने की बात कर रहे हैं। जितना कहा जा रहा है उतना कर पाना संभव होगा या नहीं, बाद में देखा जाएगा। असल बात यह है कि ये चुनाव केवल पांच राज्यों का मामला नहीं है। इनमें भी दो राज्य ज्यादा क्रूशियल हैं। एक में वोटिंग हो चुकी। हमारे यहां 25 को होगी। चुनाव के नतीजों का असर दूर तक होगा। काफी कुछ उथल-पुथल हो सकती है। कई चीजें सामने आएंगी। केंद्र सरकार की केमेस्ट्री बदल सकती है। पार्टियों में नए सवाल उठ सकते हैं। नेतृत्व को चुनौती मिल सकती है। अगले चुनाव के लिए होने वाले गठबंधन नए तरीके से सामने आ सकते हैं। तो भाषा और तीखी होती जा रही है। बुलडोजर से माफिया का इलाज करने की बात हो रही है। कोई कह रहा है चाबी हमारे पास होगी। डबल इंजन का जिक्र है। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण जैसे शब्दों की भरमार है। कहीं संत-महंत चुनावी चक्रव्यूह में फंसे हैं। कई उम्मीदवार संत-महंतों के आशीर्वाद के भरोसे हैं। धर्म के नाम पर ध्रुवीकरण के प्रयास हो रहे हैं। जीत के लिए यज्ञ-हवन कराए जा रहे हैं। कुछ ने नतीजे आने तक चप्पल-जूते त्याग दिए हैं। एक बात कॉमन है वो ये कि सभी पार्टियों ने दागियों पर खुलकर भरोसा जताया है। अपराधिक छवि वालों को सेवाभावी, लोकप्रिय बताकर चुनाव मैदान में उतार दिया। कई सीटों की अलग कहानी है। जो चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे उन्हें टिकट थमा दिए। पड़ौसी राज्य के एक नेता ने तो अपनी पीड़ा सार्वजनिक कर दी थी। यहां किसी ने खुलकर कुछ नहीं कहा। अब वही घमासान में फंस गए हैं। एक-एक वोट के लिए मारामारी हो रही है। फिर भी कई सीटों पर त्रिकोणीय टक्कर हो रही है। जातियों के वोटों में बिखराव की आशंका है। नाराज नेताओं को समझाया जा रहा है। बागियों को बिठाया जा रहा है। बैठने वाले कह रहे हैं पार्टी मां है। निर्दलीय खड़े हो गए पर पार्टी से दूरी सहन नहीं हो रही। भरोसा नहीं हो रहा कि भितरघात नहीं होगी। कई उम्मीदवारों को पार्टियों ने उनकी किस्मत पर छोड़ दिया है। विकास तो कुछ किया नहीं। किसी का बुरा भी नहीं किया। ये क्या कम है। उन्हें जनता के स्नेह और विश्वास का ही भरोसा है। इतना सब कुछ देख लिया। दो दिन का धूमधड़ाका और है। फिर सब शांत हो जाएगा। अब सारा दारोमदार आप पर है। सोच-समझकर फैसला करना है।

■ यायावर

थड़ी पॉलीटिक्स

घोषणाओं-वादों पर नहीं, खुद पर रखो भरोसा

स्थान प्रतापनगर | **समय** शाम 7:35 बजे

जयपुर

प्रदेश में चुनावी सरगर्मियां तेज हैं। घोषणाओं, बयानों और जोड़-तोड़ का बाजार पूरी तरह सज धज कर तैयार है। इसी सप्ताह में जनता का फैसला मशीनों में बंद हो जाएगा। असली लड़ाई सिर पर है तो सभी अपना पूरा जोर लगा रहे हैं। दोनों बड़ी पार्टियों के वादों की लिस्ट आ ही चुकी। अब जनता को ये भरोसा दिलवाया जा रहा है कि ये वादे पूरे भी होंगे। प्रदेश का हर इलाका चुनावी रंग में रंगा है। प्रधानमंत्री ने राजधानी में अपना जोर दिखा दिया। कुल मिलाकर चुनावी रंग अब खुलकर दिखाई देने लगा है। इस रंग की थाह लेनी हो तो इसके लिए शहर के चौक-चौपालों पर भरपूर मसाला मौजूद है। ये वो समय है जब पूरे पांच साल राजनीति की ओर से आंखें मूंदे सोने वाला नागरिक भी राजनीतिक विश्लेषक बना हुआ है। सब अपनी अपनी गणना में सरकार बना रहे हैं, बिगाड़ रहे हैं। आम जनता में चल रही चर्चाओं का जायजा लेने हम प्रतापनगर में एक टी-स्टॉल पर पहुंचे। शाम को अपने दिनभर की थकान उतारने के लिए यहां जगह जगह लोगों की मंडलियां जमी थीं। एक मंडली में शामिल युवाओं की चर्चा पर कान लाए तो सुना- "यार, सुना है अगले पांच साल में तो चार लाख नौकरी मिलेंगी। और नौकरी नहीं तो सरकारी पैसा मिलेगा। अब तो नौकरी नहीं तो कोई चिंता नहीं, बीमार हैं तो कोई चिंता नहीं, बस मजे ही मजे हैं।" एक युवा ने हल्के फुल्के अंदाज में घोषणापत्रों का मुद्दा छेड़ा तो तो सामने कुल्हड़ से चाय की चुस्की ले रहे दूसरे का जवाब आया-"भाई दूसरी लिस्ट की भी तो बात कर। अब तो अपनी पांचों उंगलियां घी में और सिर कड़ाही में है।" सामने मोबाइल की स्क्रीन स्क्रॉल कर रहे तीसरे साथी को बात हजम नहीं हुई-"भर्तियां निकालने से क्या होता है। पहले भी लाखों भर्तियां निकली हैं, लाखों की घोषणा हुई है। पर या तो प्रोसेस शुरू नहीं होता, प्रोसेस शुरू होता है तो कभी कोर्ट स्टे, कभी दूसरे पंगे। ऐसे ही टाइम बर्बाद हो रहा है यार।" सामने बैठे चौथे युवक ने इसका समाधान किया- "घोषणाओं के चक्कर में पड़ोगे तो पड़े ही रहोगे। घोषणा पर नहीं अपनी काबिलियत पर भरोसा रखो। वैसे भी सरकारी नौकरी ही तो कोई खजाने की चाबी है नहीं। आजकल तो अपने स्टार्टअप का जमाना है। अपने टैलेंट को जगाओ और नौकरी का इंतजार करने के बजाय दूसरों को नौकरी देने की सोचो।" चर्चा का मुख्य मैसेज मिल चुका था। युवाओं को अपना रास्ता खुद बनाना होगा। चारों के चाय के कप भी खाली हो गए थे तो यह चौपाल यहीं समाप्त हुई।

पॉली क्लिक्स

चुनावी अठखेलियां

प्रदेश में चुनावी उल्लास चरम पर है। एक जमाना था जब बच्चों में चुनावी माहौल का भारी क्रेज हुआ करता था। चुनाव प्रचार सामग्री बच्चों के लिए खिलौने का काम करती थी। वह माहौल अब नहीं रहा लेकिन अब जबकि चुनाव बिल्कुल सिर पर हैं तो चुनावी जोश हर वर्ग पर देखने को मिल रहा है। मंगलवार को प्रधानमंत्री के रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में बच्चे भी चुनावी वेशभूषा में दिखाई दिए।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

जब बूथ कब्जे की फर्जी सूचना को ऐन मौके पर भांप करवाए गए निष्पक्ष चुनाव

■ **गुलाब बत्रा,** वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

मतदान से करीब तीन घंटे पहले अलसुबह चार-सवा चार बजे एक प्रशासनिक अधिकारी के फोन की घंटी घनघना उठती है- एक आवाज आती है जिसमे मतदान केन्द्रों पर कथित कब्जे की आशंका जताई जाती है और जिला प्रशासन तत्काल हरकत में आ जाता है। लेकिन सूर्य की रश्मियों की प्रखरता के साथ हकीकत का खुलासा होता है।

यह कहानी 33 बरस पुरानी है। स्थान है - राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले का शिव विधानसभा क्षेत्र। वर्ष 1998 का विधानसभा चुनाव। तत्कालीन अतिरिक्त जिला कलक्टर रामपाल शर्मा को एक वजनदार प्रत्याशी फोन पर सूचित करते हैं कि पड़ौसी राज्य गुजरात से लगभग 45 जिप्सी अमुक क्षेत्र में पहुंच चुकी हैं और उनमें आए लोग मतदान बूथों पर कब्जा करने की फिराक में हैं। आप कुछ करिए। चूंकि वह प्रत्याशी पहले भी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके थे, इसलिए प्रशासनिक अधिकारी चिंतित हुए और उन्होंने एरिया मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस फोर्स को संबंधित इलाके में भिजवाने की व्यवस्था को प्राथमिकता दी। बाड़मेर के तत्कालीन जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आरएन अरविंद के अनुसार जब उन्हें अतिरिक्त जिला कलक्टर रामपाल शर्मा ने यह जानकारी दी तो वह हतप्रभ रह गए।

अपने सहयोगी से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सामान्यतः सिविल क्षेत्र में इतनी संख्या में जिप्सी नहीं होती। इसलिए यह सूचना झूठी लगती है। शिव विधानसभा के क्षेत्र विशेष में मतदान केन्द्रों के कथित कब्जे एवं पुलिस फोर्स भिजवाए जाने की चाल को अरविंद समझ गए। उनका अनुमान था कि प्रशासन को गफलत में डालकर पुलिस फोर्स को क्षेत्र विशेष में केन्द्रित किए जाने के पीछे संबंधित प्रत्याशी की यह मंशा हो सकती है कि उसे अपने इलाके में समुदाय विशेष से फर्जी मतदान कराने का मौका मिल जाए।

यह माजरा समझते ही अरविंद ने अतिरिक्त फोर्स को वापस बुलाने की व्यवस्था के साथ साथ विधानसभा क्षेत्र में सही अनुपात में फोर्स को तैनात करवाया ताकि स्वतंत्र निष्पक्ष चुनाव के दायित्व का सुचारु पालन हो सके।

हॉट सीट शिव से हुई थी चल मतदान केंद्र की शुरुआत

विधानसभा के चुनाव में यही शिव विधानसभा क्षेत्र हॉट सीट का प्रतीक बन गया है। पाकिस्तान से अन्तरराष्ट्रीय सीमा से सटे इस विधानसभा के चुनाव में पंचकोणीय मुकाबले की परिस्थिति बन गई है। टिकट की मारामारी में कांग्रेस और भाजपा में बगावत तथा आरएलपी के मैदान में उतरने से मुस्लिम बहुल सीट पर दावेदारों ने चुनावी गणित को उलझा दिया है। अपनी राजनैतिक विरासत बेटे को सौंपने की गुहार पूरी नहीं होने पर 84 वर्षीय कांग्रेस प्रत्याशी अमीन खान एक मजबूरी में चुनाव मैदान में उतरे हैं तो उनकी पार्टी के जिलाध्यक्ष फतेह खान की बगावत बतौर निर्दलीय बाधा बन गई है। इसलिए अमीन खान सरकार के अच्छे काम के लिए कांग्रेस को वोट देने तथा उनसे व्यक्तिगत नाराजगी होने पर भाजपा तक को वोट देने की वकालत कर रहे हैं। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष स्वरूपसिंह को टिकट मिलने पर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय छात्रसंघ जोधपुर के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र सिंह भाटी निर्दलीय तथा 2003 में निर्वाचित हुए भाजपा विधायक जालमसिंह रावलोत बतौर आरएलपी प्रत्याशी चुनावी घोड़े पर सवार हैं। विधानसभा चुनाव के पश्चात जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में जिला कलक्टर आरएन अरविंद ने वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव में देश में पहली बार चल मतदान केन्द्रों की व्यवस्था का कीर्तिमान बनाया। संयोगवश इसी शिव विधानसभा क्षेत्र में सिरगुबाला तथा सहदाद की पार खुर्द इलाके में ऊंट गाड़ों पर चल मतदान केन्द्र के माध्यम से मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया।

तेलंगाना चुनाव परिक्रमा: ग्रेटर हैदराबाद में बीआरएस, कांग्रेस व भाजपा का धुआंधार प्रचार

ग्लोबल सिटी के सपने और सियासी गणित में उलझी हैं 24 सीटें

एजेंसी | हैदराबाद

हैदराबाद और आसपास के इलाकों में बेहतर बुनियादी ढांचा, रोजगार सृजन और बेहतर कानून व्यवस्था कुछ ऐसे प्रमुख मुद्दे हैं, जिनके दम पर तेलंगाना में सतारूढ़ भारत राष्ट्र समिति अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान मतदाताओं को लुभाने में लगी है।

अहम बात यह है कि राज्य की 119 में से 24 विधानसभा सीटें इसी क्षेत्र में हैं। इसी वजह से ग्रेटर हैदराबाद में बीआरएस पूरा जोर लगा रही है तो कांग्रेस और भाजपा भी धुआंधार प्रचार में जुटी हैं। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम सीमा में 15 सीट हैं जबकि शहर के आसपास के हिस्सों में नौ सीट हैं।

2018 के यहां बीआरएस ने अधिकतर सीटें जीतीं, जबकि ओवैसी की पार्टी ने सात सीटें जीती थीं। बीआरएस सरकार हैदराबाद को 'ग्लोबल सिटी' बनाने के अपने प्रयासों का दावा करती है, जबकि विपक्षी दल और राजनीतिक विश्लेषक इस दावे को खारिज कर रहे हैं।

भाजपा ने भी लगाया पूरा जोर

वहीं भाजपा को एंटी-इंकंबेंसी के अलावा 2020 के ग्रेटर हैदराबाद निगम चुनाव में मिली अप्रत्याशित सफलता और 2019 में सिकंदराबाद लोकसभा सीट पर शानदार जीत पर भरोसा है। निगम चुनाव में भाजपा बीआरएस के बाद सर्वाधिक 48 स्थानों पर विजयी रही थी। इसलिए पार्टी यहां पर काफी ध्यान केंद्रित कर रही है। पीएम मोदी की यहां हुई सभाएं इसका उदाहरण हैं। भाजपा ने नगर निगम चुनाव में 48 सीटें जीतकर तहलका मचा दिया था। 2018 में पार्टी गोशामहल सीट भी जीती थी और इस बार भी अपने मौजूदा विधायक टी राजा सिंह को वहीं से उतारकर हवा बनाने की कोशिश की है। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व शुरू से इस इलाके में अधिकतर सीटें जीतने पर जोर दे रहा है।

मुस्लिम मतों का गणित अहम

तेलंगाना की राजनीति में मुस्लिम मतों की अहम भूमिका रहती है। यहां 13 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। हैदराबाद में भी मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अच्छी-खासी है और उन पर औवेसी का अच्छा खासा प्रभाव है। हैदराबाद की 10 सीटों पर 30 से 50 फीसदी के बीच मुस्लिम मतदाता हैं। बीआरएस पार्टी का असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी के साथ राजनीतिक सहयोग है, इसलिए उसे हैदराबाद सहित राज्य के अन्य हिस्सों में मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल होने क उम्मीद है। कांग्रेस मस्लिम मतों में सेंध लगाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस ने पूर्व क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन को शहर की जुबली हिल सीट से टिकट दिया है।

निवेशक अनुकूल माहौल: बीआरएस

बीआरएस प्रवक्ता सरवन दासोजू ने 'पीटीआई-भाषा" से कहा, शहर में बेहतर कानून-व्यवस्था, युवाओं के लिए रोजगार सृजन करने वाला निवेशक-अनुकूल माहौल और सड़कें, पुल तथा साफ पेयजल जैसा उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा बीआरएस सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से है और यह सभी मिलकर हैदराबाद को ग्लोबल सिटी बनाते हैं।

धन का दुरुपयोग किया: भाजपा

भाजपा के प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने बुनियादी ढांचे के लिए केंद्र की ओर से स्वीकृत धन का दुरुपयोग किया और शहर को विकास से वंचित किया गया। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक एस नागेश कुमार ने कहा कि राज्य सरकार का दावा है कि हैदराबाद एक 'ग्लोबल सिटी' बन गया है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा और यह सिर्फ एक सड़क का मामला है।

बिहार: 65 प्रतिशत आरक्षण के लिए अधिसूचना जारी

पटना। नीतीश कुमार सरकार ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से सहमति मिलने के बाद मंगलवार को राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में वंचित जातियों के लिए आरक्षण 50 से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने के लिए गजट अधिसूचना जारी कर दी। अधिसूचना जारी होने के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च-स्तरीय बैठक में संबंधित विभागों को बढ़े हुए आरक्षण के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इससे राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में नए आरक्षण प्रतिशत को लागू करने का अब रास्ता साफ हो गया है।

दानिश अली मामले में बिधूड़ी 7 दिसंबर को तलब

नई दिल्ली। लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने बसपा के सदस्य दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी को आगामी सात दिसंबर को तलब किया है। समिति ने 7 दिसंबर को मौखिक साक्ष्य देने के लिए दानिश अली को भी बुलाया है। बिधूड़ी से कहा गया है कि वह बसपा सांसद के इस समिति के सामने पेश होने के बाद उसी दिन पेश हों। इससे पहले, एक मौके पर बिधूड़ी असमर्थता जताते हुए समिति के सामने पेश नहीं हुए थे। 'चंद्रयान-3' की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां' विषय पर लोकसभा में चर्चा के दौरान गत 21 सितंबर को बिधूड़ी ने अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की कार्रवाई: सियासत गरमाई

एजेएल और यंग इंडिया की 752 करोड़ की संपत्ति कुर्क

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कहा कि इसने कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रवर्तित नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र और इससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ धन शोधन की अपनी जांच के तहत करीब 752 करोड़ रुपए मूल्य की अचल संपत्ति और 'इक्विटी' हिस्सेदारी (शेयर) जब्त की है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास यंग इंडियन कंपनी के ज्यादातर शेयर हैं। दोनों में से प्रत्येक के पास 38 प्रतिशत शेयर हैं। अस्थायी रूप से संपत्ति कुर्क करने का यह आदेश छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में जारी विधानसभा चुनाव तथा तीन दिसंबर को मतगणना होने से पहले आया है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में आरोप लगाया कि इस मामले में अंशधारक और कांग्रेस को चंदा देने वालों से एजेएल और पार्टी ने ठगी की।

ईडी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) और यंग इंडियन कंपनी के खिलाफ संपत्ति कुर्क करने का आदेश धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जारी किया था। नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। कानून के तहत, इस तरह के अंतरिम या अस्थायी आदेश को छह महीने की समयावधि में पीएमएलए के निर्णयन प्राधिकार द्वारा मंजूरी दी जानी चाहिए, जिसके बाद ईडी कुर्क संपत्तियों को अपने कब्जे में ले सकती है।

एजीएल के पास कई शहरों में संपत्ति

ईडी के एक बयान में कहा गया है कि जांच में खुलासा हुआ है कि एजेएल के पास अपराध से हुई आय अचल संपत्तियों के रूप में है, जो दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे कई शहरों में है। इनका मूल्य 661.69 करोड़ रुपए है। वहीं, यंग इंडियन के पास अपराध से प्राप्त आय 90.21 करोड़ रुपए एजेएल के 'इक्विटी शेयर' के रूप में है। नेशनल हेराल्ड की अचल संपत्तियों में दिल्ली के आईटीओ स्थित कार्यालय परिसर और लखनऊ में कैसरबाग के पास एक परिसर है। धन शोधन का यह मामला दिल्ली के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के एक आदेश से उपजा है, जिसमें नेशनल हेराल्ड के क्रियाकलाप में कथित अनियमितताओं के खिलाफ एक निजी शिकायत का 26 जून 2014 को संज्ञान लिया गया था।

प्रतिशोध का हिस्सा : कांग्रेस

कांग्रेस ने एजेंसी की कार्रवाई को प्रतिशोध का तुच्छ हथकंडा करार दिया और ईडी को भाजपा का गठबंधन साझेदार बताया। कांग्रेस ने कहा कि यह कार्रवाई पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा की तय हार से ध्यान भटकाने का प्रयास है।

सोनिया समेत कइयों से की थी पूछताछ

एजेंसी ने मामले के सिलसिले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के नेता पवन बंसल, डी. के. शिवकुमार और उनके सांसद भाई डी.के. सुरेश से पिछले साल पूछताछ की तथा उनके बयान दर्ज किए थे। सूत्रों के मुताबिक, मामले में ईडी के आरोपपत्र दाखिल करने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए फिर से बुलाया जा सकता है।

बीआरएस व कांग्रेस ने एक दूसरे को घेरा

पहले से अधिक सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखेगी BRS: KCR

एजेंसी | हैदराबाद

कांग्रेस व भाजपा के शीर्ष नेता जहां राजस्थान में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं, तेलंगाना में मुख्यमंत्री एवं बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव तथा भाजपा और कांग्रेस के अन्य नेता राज्य में सियासी तापामान बढ़ाए हुए हैं। राव लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं और चुनाव सभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

राव ने मंगलवार को माधिरा में एक चुनावी रैली में कहा कि उनकी पार्टी राज्य विधानसभा चुनाव में पहले के मुकाबले आधिक सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखेगी जबकि कांग्रेस को विधानसभा में 20 से भी कम सीट पर संतोष करना पड़ेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि जबरदस्त बहुमत के साथ प्रदेश में बीआरएस पार्टी की ही सरकार बनेगी।

कांग्रेस में सीएम पद के एक दर्जन उम्मीदवार

राव ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी में एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं। राव ने कहा,वे जीतने नहीं जा रहे हैं। मैं आपसे दावे के साथ कह रहा हूं। कांग्रेस के लिए, वही 20 सीट, बल्कि 20 से भी कम सीट। मैं चुनाव अभियान के तहत 70 वें निर्वाचन क्षेत्र मधिरा के दौरे पर आया हूं। अब केवल 30 बचे हैं। अगर मैं बाकी के सभी 30 निर्वाचन क्षेत्रों में जाऊंगा तो कांग्रेस और हार जाएगी।

बीआरएस ने जो 'धन' लूटा, उसे लौटा गारंटी पूरी करेंगे: प्रियांक

हैदराबाद। कांग्रेस नेता और कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को विश्वास प्रकट किया कि तेलंगाना में उनकी पार्टी सत्ता में आएगी तथा सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति द्वारा लूटे गए पैसे लोगों को लौटाकर अपनी छह चुनावी गारंटी लागू करेगी। उन्होंने बीआरएस के इस आरोप का खंडन भी किया कि कर्नाटक में कांग्रेस द्वारा किए गए वादे नहीं पूरे किये जा रहे हैं।

केसीआर ने राज्य को कर्ज में डुबो दिया: निर्मला सीतारमण

हैदराबाद। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2014 में अपने गठन के समय राजस्व अधिशेष रहा तेलंगाना अब राजस्व घाटे वाला प्रदेश बन गया है और इसके लिए सीएम राव जिम्मेदार हैं। सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव में मल्काजगिरि से भाजपा के उम्मीदवार एन रामचंद्र राव के सम्मान में आयोजित एक सभा में कहा कि तेलंगाना की अगली दो से तीन पीढ़ियां कर्ज चुकाती रहेंगी।

तेलंगाना: फेमा मामले में ईडी की कार्रवाई

कांग्रेस प्रत्याशी के यहां तलाशी

एजेंसी | हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा के 30 नवंबर को प्रस्तावित चुनाव के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हवाला से जुड़े विदेशी मुद्रा संबंधी कानून के उल्लंघन मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को राज्य की चेन्नूर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विवेक वेंकटस्वामी और कुछ अन्य के परिसरों की तलाशी ली। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी चेन्नूर और हैदराबाद में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत तलाशी ले रही है। सूत्रों ने बताया कि आठ करोड़ रुपए का एक संदिग्ध बैंक लेनदेन हाल में किया गया था और यह कथित तौर पर कांग्रेस नेता द्वारा प्रवर्तित कंपनी से जुड़ा है, जो एजेंसी की जांच के दायरे में है। ईडी ने उस सूचना पर कार्रवाई की जो सबसे पहले तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को मिली थी।

सबसे अमीर प्रत्याशी हैं वेंकटस्वामी

विवेक 600 करोड़ रुपए से अधिक की घोषित संपत्ति के साथ, राज्य में सबसे अमीर उम्मीदवार हैं। विवेक और उनकी पत्नी के पास 377 करोड़ रुपए की चल संपत्ति है। इसमें से ज्यादातर, विभिन्न कंपनियों के शेयर हैं, जिसमें उनकी अपनी विसाका इंडस्ट्रीज भी शामिल है। परिवार की अचल संपत्ति 225 करोड़ रुपए से अधिक है। उनके द्वारा दाखिल हलफनामे के मुताबिक, विवेक और उनकी पत्नी पर 41.5 करोड़ रुपए की देनदारियां या कर्ज है।

किसान को खलनायक बनाया जा रहा है: SC

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र और राज्यों को राजनीति भूलकर यह देखने में अपना दिमाग लगाना चाहिए कि पराली जलाने को कैसे रोका जा सकता है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल जारी रहने से वायु प्रदूषण के कारण लोग प्रभावित होंगे। न्यायाधीश संजय किशन कौल और न्यायाधीश सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा, लोगों को इससे कोई सरोकार नहीं है कि आप इसे कैसे करते हैं और आप क्या करते हैं तथा अदालत का काम बारीकियों में पड़ना नहीं है। अदालत का काम है आपसे आपका काम करवाना, यानी प्रदूषण को रोकना। आप यह कैसे करते हैं यह आपकी समस्या है। पीठ ने कहा, एकमात्र व्यक्ति जो इसका उत्तर दे सकता है वह किसान है। वह यहां नहीं है। किसान को खलनायक बनाया जा रहा है और खलनायक की बात नहीं सुनी गई है। हो सकता है कि उसके पास कुछ कारण हों।

एंटी-शिप मिसाइल परखी

नई दिल्ली। नौसेना ने डीआरडीओ के सहयोग से मंगलवार को 'सीकिंग 42बी' हेलिकॉप्टर से नौसैन्य पोत-रोधी मिसाइल का पहला निर्देशित उड़ान परीक्षण किया। यह परीक्षण मिसाइल प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टनल हादसा: उम्मीदों की डोर हुई मजबूत

सुरक्षित हैं सभी श्रमिक, पहले खिचड़ी भेजी फिर कैमरा

एजेंसी | उत्तरकाशी

बचाव अभियान के दसवें दिन मंगलवार को सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल होने का पहला वीडियो सामने आने के बाद उनके बाहर निकलने की बाट जोह रहे उनके परिवारों की उम्मीदें बढ़ गई है।

अधिकारियों ने बताया कि छह इंच की पाइपलाइन के जरिए श्रमिकों तक खिचड़ी भेजने के कुछ घंटों बाद बचावकर्मियों ने उसी पाइप से तड़के उन तक एंडोस्कोपिक फ्लैक्सी कैमरा भेजा जिससे उनके सकुशल होने का वीडियो मिला। यह कैमरा सोमवार देर शाम दिल्ली से सिलक्यारा पहुंचा। इससे पहले सोमवार को ही मलबे के आरपार 53 मीटर लंबी छह इंच की पाइपलाइन डाली गईं थी। उत्तरकाशी जिले में चारधाम यात्रा मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिससे उसमें मलबे के दूसरी ओर श्रमिक फंस गए जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

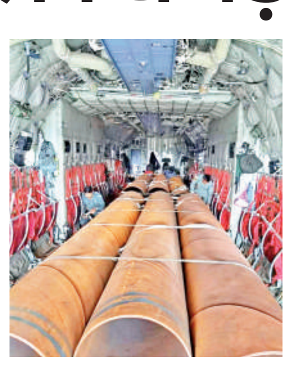

उत्तरकाशी। सुरंग में कैमरे में नजर आए श्रमिक और राउरकेला से जरूरी सामान लेकर उड़ान की तैयारी में विमान।

वीडियो में पीले और सफेद रंग के हेलमेट पहने श्रमिक पाइपलाइन के माध्यम से भेजा गया भोजन प्राप्त करते हुए और एक-दूसरे से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे बचावकर्मियों के साथ ही इन श्रमिकों और उनके परिवारों का मनोबल भी बढ़ा है।

कई विकल्पों पर हो रहा है काम

ड्रिलिंग के लिए भारी मशीनें मौके पर पहुंचाई अमेरिकी ऑगर मशीन के शुक्रवार दोपहर को ड्रिलिंग के दौरान कठोर सतह से टकराने के कारण बचाव अभियान में आई अड़चन के बाद अधिकारियों ने इसका संचालन दोबारा शुरू करने सहित पांच विकल्पों पर एक साथ काम करने का फैसला किया, जिसमें सुरंग के बड़कोट छोर से ड्रिलिंग, सुरंग के ऊपर से 80 मीटर वर्टिकल ड्रिलिंग तथा सुरंग के बाएं और दाएं से ड्रिलिंग शामिल है। कई स्थानों पर ड्रिलिंग शुरू करने के लिए भारी मशीनें मौके पर पहुंचा दी गई हैं। सुरंग के उपर से ड्रिलिंग के लिए 75 टन वजनी मशीन पहुंचाने के लिए सड़क भी बना दी गई है।

फिर शुरू हुई ड्रिलिंग

मंगलवार को अमेरिकी ऑगर मशीन से यहां दोबारा ड्रिलिंग का काम शुरू किया गया। जिससे 820 एमएम व्यास के पाइप मलबे में डाले जा रहे हैं। इन पाइपों को पूर्व में डाले गए 900 एमएम के पाइपों के अंदर से ही भेजा रहा है। सुरंग के अंदर काम करने वाले मजदूरों का कहना है कि पुरानी व नई मिलाकर अब तक कुल 35 मीटर तक ड्रिल हो चुकी है।

स्कूलों में बच्चों को पढ़ाई जाए रामायण-महाभारत

एजेंसी | नई दिल्ली

सामाजिक विज्ञान के स्कूली पाठ्यक्रम को संशोधित करने की तैयारी है। शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की एक उच्च स्तरीय समिति ने स्कूली पाठ्यक्रम में रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों को शामिल करने और स्कूल में क्लासों की दीवारों पर संविधान की प्रस्तावना लिखने की सिफारिश की है। एनसीईआरटी की नई किताबें अगले शैक्षणिक सत्र तक तैयार होने की संभावना है। समिति के अध्यक्ष सीआई इस्साक ने मंगलवार कहा कि कक्षा 7 से 12 तक के छात्रों को रामायण और महाभारत पढ़ाना महत्वपूर्ण है। हमारा मानना है कि किशोरावस्था में छात्र को अपने राष्ट्र के लिए आत्म-सम्मान, देशभक्ति और गौरव का एहसास होता है। उन्होंने कहा कि कुछ शिक्षा बोर्ड वर्तमान में छात्रों को रामायण पढ़ाते हैं, लेकिन वे इसे एक मिथक के रूप में पढ़ाते हैं। अगर छात्रों को ये महाकाव्य नहीं पढ़ाए गए तो शिक्षा प्रणाली का कोई उद्देश्य नहीं है, और यह राष्ट्र सेवा नहीं होगी।अध्ययन सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए नेशनल सिलेबल एंड टीचिंग लर्निंग मटेरियल समिति जुलाई में विचार कर सकती है

इससे पहले पैनल ने कक्षा 3 से 12 तक की किताबों में प्राचीन इतिहास के बजाय 'शास्त्रीय इतिहास' को शामिल करने और 'इंडिया' नाम को 'भारत' से बदलने की भी सिफारिश की थी।

लोकरंग: लोक वाद्यों पर गाए लोक गीत, निकाली गणगौर की शाही सवारी

मोरचंग, खड़ताल-भपंग से युवाओं ने मंच पर साकार किए रेतीले धोरे

■ इन्फोसिस और भारतीय विद्या भवन के समारोह में 45 स्टूडेंट्स ने सामूहिक प्रस्तुतियों से जमाया रंग

बेधड़क | जयपुर

राजस्थानी गीतों और लोक वाद्यों की धुनें ऐसी छाईं कि गुलाबी शाम संगीतमय हो गई। जयपुराइट्स और युवा ऐसे झूमे जैसे सम के धोरों पर लंगे और मांगणिहार जाति के कलाकार झूमते हैं। मात्र 15 से 18 साल की उम्र के युवाओं ने कभी मोरचंग की तान छेड़ी, कभी खड़ताल की लय-ताल को जीवंत किया तो कभी भपंग की मदमाती लय पर वहां मौजूद लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। ये सब देखने को मिला महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में चल रहे 7 दिवसीय लोक संस्कृति महोत्सव 'धरती धोरां री' में। इस दौरान भारतीय विद्या भवन के 45 स्टूडेंट्स राजस्थानी गीतों और लोक वाद्यों की धुन पर झूमते नजर आए।

इन्फोसिस और भारतीय विद्या भवन की ओर से आयोजित किए जा रहे समारोह में 45 स्टूडेंट्स के समूह ने सामूहिक लोक वाद्य वादन से की प्रस्तुति में बच्चों ने मोरचंग, खड़ताल, भपंग, तबला, ढोलक और हारमोनियम वाद्यों का वादन किया। इसके बाद जल्ला रे और उड़ियो रे उड़ियो लोक गीत गाए तथा ईतल पीतल और म्हारी सवा लाख री लूम गीतों पर जमकर ग्रामीण शैली में नृत्य किए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने पालकी पर नाचते झूमते गणगौर की सवारी निकाल कर प्रदेश की अनूठी लोक संस्कृति को मंच पर साकार कर दिया।

छा गया डागर बंधुओं का ध्रुवपद गायन

उत्सव में शुरुआत भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व अधिकारी डॉ. रेखा गुप्ता और राजस्थान यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ फाइन आर्ट की पूर्व डीन डॉ. माया रानी टाक ने की। इसके बाद ध्रुवपद गायक उस्ताद नफीसुद्दीन और उस्ताद अनीसुद्दीन डागर ने डागर घराना शैली में ध्रुवपद गायन किया। करीब पौन घंटे की प्रस्तुति में डागर बंधुओं ने राग 'यमन' को प्रस्तुति का माध्यम बनाते हुए ध्रुवपद के सभी चरणों का सुकून और चेनदारी से गायन कर परिवेश को आध्यात्मिक बना दिया। उन्होंने राग अडाणा में शिव स्तुति से कार्यक्रम का समापन किया। उनके साथ पखावज पर ऐश्वर्य आर्य ने संगत की।

क्रोशिया और बंदनवार आर्ट का जीवंत प्रदर्शन

लोक कलाकारों के साथ ही वहां परिसर में ही बाड़मेर से आए आत्माराम ने स्टूडेंट्स के सामने क्रोशिया पैचवर्क का कला का प्रदर्शन करते हुए मेज पोश, तकिए की खोली और चादर पर इस आर्ट की कलात्मक आकृतियां उकेरीं। इसी तरह से जयपुर की अनिता बिंदल ने बंदनवार आर्ट का जीवंत प्रदर्शन कर कई तरह की कलात्मक बंदनवार बनाकर दिखाईं।

कठपुतली से समारोह का समापन

भारतीय विद्या भवन के कार्यक्रम सचिव राजेन्द्र सिंह पायल ने बताया कि सात दिवसीय समारोह का समापन कठपुतली और आराइश कला की वर्कशॉप से के बाद होगा। शाम 6:15 बजे बहुचर्चित मांगणिहार क्लास रूम के कलाकार प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

कलश यात्रा से ब्रह्मोत्सव शुरू

बेधड़क. जयपुर। गलता में गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में मनाए जा रहे ब्रह्मोत्सव का कलश यात्रा के साथ शुभारम्भ हुआ। स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि 7 दिवसीय ब्रह्मोत्सव का गलताजी स्थित यज्ञवेदी कुण्ड से वैदिक विधि के साथ पूजन कर कलश यात्रा से शुरुआत की गई। मुख्य कलश गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य जी महाराज ने उठाया। यात्रा में श्रीमन्नारायण संकीर्तन के साथ गलता स्थित रामानुज कीर्ति स्तंभ की परिक्रमा की गई। 7 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न उत्सवों व उनके लिए सफाई, सुरक्षा आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं। साथ ही दक्षिण भारत से विद्वान आएंगे और वैदिक विधी से पूजा-पाठ, हवन, अनुष्ठान सम्पन्न करेंगे। दक्षिण भारतीय पाक-शास्त्री भगवान् को लगने वाले गोष्ठी व अन्य भोग प्रसादी आदि बनाएंगे। दक्षिण भारत से ही भगवान की माला मंगाई जाएगी।

DBL क्वार्टर फाइनल्स आज

बेधड़क. जयपुर। स्पोफिट एकेडमी में चल रही डीबीएल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाई है। लीग चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि किड्स कैटेगरी में कांकरियाज, जयपुर गैस्ट्रो, जैन चेस्ट केयर, प्रियूष हॉस्पिटल सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। सीनियर कैटेगरी में मेडीस्पा, शैल्बी हॉस्पिटल, जयपुर न्यूक्लियर इमेजिंग सेंटर व कैंसर क्योर टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि आज हुए मैचेज में आंच टाइटंस ने जयपुर शौल्डर एंड नी सर्जरी को 3-0 से हराया व देशबंधु ईएनटी ने एएलसीएस को हराया। अन्य मैचेज मे सोमानी हॉस्पिटल ने सवाई चैम्प को 3-0 से और जीवन रेखा ने रावत आई को 3-2 से हराया। लीग आयोजन सचिव डॉ. हनुमान खोजा ने बताया कि बुधवार को क्वार्टर फाइनल्स व सेमी फाइनल मैचेज खेले जाएंगे।

स्टार्टअप्स को 28 लाख की ग्रांट

बेधड़क. जयपुर। जयपुर में जेईसीआरसी इन्क्यूबेशन सेंटर ने एक बार फिर स्टार्टअप्स को मदद करने के उद्देश्य से कदम बढ़ाए हैं। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की योजना के तहत और राजस्थान के सबसे बड़े टीआईडीई अनुदान कार्यक्रम के तहत तीन स्टार्टअप को कुल 28 लाख रुपए दिए गए हैं। इससे भारतीय स्टार्टअप संस्थापकों के लिए एक नए केंद्र के रूप में जयपुर की स्थिति और मजबूत हो गई है। 500 से अधिक स्टार्टअप में से 200 को प्रारंभिक दौर के दौरान अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। 50 से अधिक ज्यूरी सदस्यों ने इनका मूल्यांकन किया, जिससे प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया शुरू हुई। प्रतियोगिता का समापन एक डेमो डे में हुआ, जहां शीर्ष 50 स्टार्टअप ने अपनी परियोजनाएं प्रस्तुत कीं और शीर्ष 4 स्टार्टअप को ग्रांट प्राप्तकर्ता के रूप में घोषित किया गया।

AI के दुरुपयोग पर किया सचेत

बेधड़क. जयपुर। सिक्योरिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड नेटवर्क्स: सिन कॉन्फ के 16वें संस्करण की शुरुआत आईईईई व हासन कल्योंकु यूनिवर्सिटी तुर्किए के सहयोग से मणिपाल यूनिवर्सिटी में हुई। इस मौके पर मेजर जनरल शर्मा ने देश में साइबर सुरक्षा को लेकर हो रहे अपराधों व उनके समाधान के लिए प्रयासों के बारे में बताया। आईपीएस डॉ. अमनदीप सिंह कपूर ने डीप फेक जैसे विषयों से अवगत कराते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साइबर सुरक्षा में संभावित दुरुपयोग के बारे में सचेत किया। वहीं, यूनिवर्सिटी अध्यक्ष प्रो. जीके प्रभु ने स्वागत भाषण में यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों के बारे में बताया। कॉन्फ्रेंस के जनरल चेयर प्रो. संदीप चौरसिया ने बताया कि 2 दिवसीय कॉन्फ्रेंस में करीब एक दर्जन से अधिक देशों से आए 165 पेपर में से 35 पेपर का वाचन किया।

City इवेंट्स

विक्की कौशल आज जयपुर आएंगे

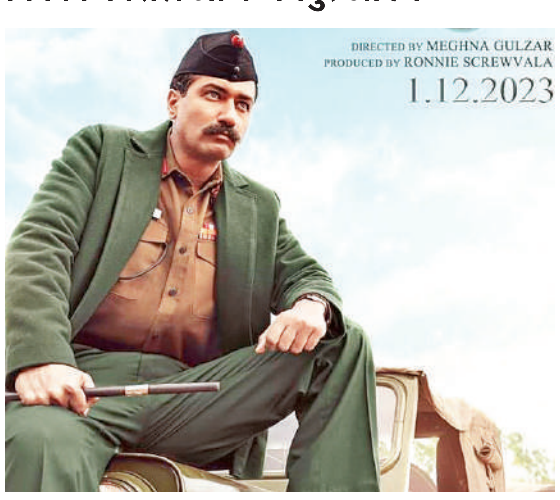

बेधड़क, जयपुर। जयपुर में मूवी की सफलता के लिए बॉलीवुड स्टार्स का आना जारी है। अब विक्की कौशल बुधवार को राजमंदिर सिनेमा में जयपुराइट्स से रूबरू होंगे। वे अपनी अपकमिंग मूवी सेम बहादुर को यहां प्रमोट करेंगे और मीडिया से मूवी की जर्नी शेयर करेंगे। 1 दिसंबर को रीलीज होने वाली मूवी में उन्होंने इस बार एक अलग और खास डिफेंस ऑफिसर का रोल निभाया है, जिसमें उनके लुक की बहुत प्रशंसा की जा रही है।

श्रमदान कर दिया हरियाली का संदेश

बेधड़क. जयपुर। जयपुराइट्स ने विद्याधर नगर के सेक्टर 1 में खंडेलवाल टावर के पीछे वाली ग्रीनबेल्ट में श्रमदान किया। वहीं, एक अन्य ग्रुप ने सेंट्रल स्पाइन में श्रमदान करके सफाई का संदेश दिया। युवाओं ने बड़े टैंकर्स से पानी डालकर पेड़-पौधों की सार-संभाल करते हुए हरियाली बढ़ाने का काम किया। इसके लिए यंगेस्टर्स सुबह 6.15 बजे से ही निकल पड़े और श्रमदान किया। उन्होंने मलवा उठाया और सफाई का संदेश दिया। ट्री एंबुलेंस ने दोपहर तक विद्याधर नगर की गलियों में श्रमदान किया।

कृतिका की RAS में 201वीं रैंक

बेधड़क, जयपुर। कानोड़िया पीजी गर्ल्स कॉलेज की एमए इतिहास (सेमेस्टर तृतीय) की छात्रा कृतिका गौड़ का राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आरएएस मुख्य परीक्षा-2021 के परिणाम में 201वीं रैंक के साथ चयन हुआ। कृतिका के पिता बृजबिहारी गौड़ लूणकरणसर तहसील बीकानेर में राजकीय शिक्षक हैं और मां अनुपमा गृहिणी हैं। शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त कृतिका ने राष्ट्रीय स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारजनों व महाविद्यालय की शिक्षिकाओं को दिया।

रियाद में दिखा भारतीय टैलेंट

सऊदी इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन कप में दिव्यकृति सिंह ने जीते 3 मेडल

बेधड़क | जयपुर

भारत का टैलेंट रियाद में दिखा तो उत्साह जयपुर तक रहा। मौका था इंडियन राइडर दिव्यकृति सिंह राठौड़ के हाल ही में रियाद में जंप सऊदी मुख्यालय में आयोजित सऊदी इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन कप के लिए पहली इंटरनेशनल ड्रेसाज चैम्पियनशिप में घुड़सवारी में उत्कृष्ट प्रदर्शन का। भरोसेमंद घोड़े डोना वेटर पर सवार होकर दिव्यकृति सिंह राठौड़ ने उल्लेखनीय कौशल और घोड़े के साथ साझेदारी का प्रदर्शन करते हुए तीन व्यक्तिगत पदक जीते।

सऊदी इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन अध्यक्ष एचआरएच प्रिंस नवाफ बिन फैसल बिन फहद अल सऊद के संरक्षण में प्रतिस्पर्धा करने के लिए विश्वभर से राइडर्स आए थे। ड्रेसाज प्रिक्स सेंट-जॉर्जेस में राठौड़ ने कॅरियर का उल्लेखनीय 70.196 बेस्ट स्कोर हासिल कर व्यक्तिगत रजत पदक जीता। ड्रेसाज इंटरमीडिएट इवेंट में 68.921 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक भी हासिल किया। ड्रेसाज फ्रीस्टाइल टू म्यूजिक में जीत हासिल की और 72.575 के स्कोर के साथ एक और व्यक्तिगत कांस्य पदक अर्जित किया।

चैम्पियनशिप की मेजबानी मिडिल ईस्ट और एशिया में पहली बार सऊदी अरब किंगडम द्वारा की जा रही है। हाल ही में एशियाई खेलों में ड्रेसाज टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता दिव्यकृति सिंह ने सऊदी अरब में इस चैंपियनशिप में भाग लेने वाले देश के एकमात्र राइडर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

महापर्व में भक्तिभाव में डूबे रहे श्रद्धालु

जयपुर। जैन धर्म के अष्टानिका महापर्व में बड़ी संख्या में भक्तों ने पूजा-अर्चना की। इससे पहले झंडारोहण और घट यात्रा से इसकी शुरुआत हुई। दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना, मंडल विधान, सायंकाल महाआरती, भक्ति संध्या, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित धार्मिक आयोजनों की धूम रही। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जैन धर्म के इस दूसरे बड़े पर्व अष्टानिका महापर्व पर श्रीसिद्ध चक्र महामंडल विधान पूजा व विश्व शांति महायज्ञ, नन्दीश्वर महामंडल विधान पूजा, कल्पद्रुम महामंडल विधान पूजा सहित शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 27 नवंबर को विश्व शांति महायज्ञ के साथ पर्व का समापन होगा।

वर्ल्ड रिमेम्ब्रेंस डे | **45 स्कूल्स ने रोड सेफ्टी को लेकर दिया मैसेज**

हादसों में जान गंवाने वालों को स्टूडेंट्स ने दी श्रद्धांजलि

बेधड़क | जयपुर

वर्ल्ड रिमेम्ब्रेंस डे पर 45 स्कूल्स के 400 स्टूडेंट्स ने रोड एक्सीडेंट्स में जान गंवा चुके लोगों को याद कर श्रद्धांजलि दी। जवाहर कला केंद्र में मुस्कान फाउंडेशन के बैनर तले प्रोग्राम में रोड सेफ्टी को लेकर अवेयर किया गया। स्टूडेंट्स ने विक्टिम्स की याद में गीत 'किसकी जिम्मेदारी है...' और 'खुद को संभाल...' से रोड सेफ्टी को लेकर मैसेज दिया।

सेफ्टी ग्राफिक नोबल 'ट्रैफिक टेल्स' लॉन्च

रोड एक्सीडेंट्स को लेकर संवाद प्रोग्राम में सीआईडी फेम डॉ. सालुंखे (अभिनेता नरेंद्र गुप्ता), सोशल एक्टिविस्ट निशा सिंधु (इन्हें अपने 26 वर्षीय पुत्र को रोड एक्सीडेंट में खोया), न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. वी.डी. सिन्हा, शूटर अवनि लेखरा ने विचार रखे। डॉ. सिन्हा ने यूथ के हेलमेट न पहनने और हैड इंजरी को लेकर बात की। इस मौके पर रोड सेफ्टी ग्राफिक नोबल 'ट्रैफिक टेल्स' को लॉन्च किया। डॉ. भसीन ने बताया कि प्रोग्राम का उद्देश्य रोड सेफ्टी को लेकर अवेयर करना है, ताकि सड़कों पर ज्यादा से ज्यादा जीवन बचाया जा सके।

प्रतिवर्ष 13.5 लाख मौतें सड़क हादसों में

गौरतलब है, कि दुनिया में हर वर्ष लगभग 13.5 लाख और भारत में लगभग 1.5 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं के कारण मृत्यु का शिकार होते हैं। यूनाइटेड नेशंस ने इसे एक वैश्विक दिवस के रूप में समर्थन दिया है।

रूल्स से कम होंगे एक्सीडेंट

प्रोग्राम की चीफ गेस्ट प्रिंसिपल सेक्रेटरी आईएएस गायत्री राठौड़ ने रोड सेफ्टी पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक रूल्स को फॉलो करना जरूरी है। ट्रैफिक रूल्स को फॉलो करके रोड एक्सीडेंट्स को काफी कम कर सकते हैं। यूथ को स्पीड पर कंट्रोल करने की जरूरत है। खुद रोड एक्सीडेंट विक्टिम पद्श्री इंटरनेशनल शूटर अवनि लेखरा ने एक्सपीरियंस शेयर किए। विमुक्ति गर्ल्स स्कूल और टाबर किड्स ने थिएटर परफॉर्मेंस से रोड एक्सीडेंट्स विक्टिम्स को श्रद्धांजलि दी।

इजराइली सैनिकों का हमास के खिलाफ अभियान हुआ तेज

दीर ए-बलाह (गाजा पट्टी)। *इजराइली सेना ने उत्तरी गाजा में अभियान तेज कर दिया है और मंगलवार को सैनिकों ने घनी आबादी वाले शरणार्थी शिविर क्षेत्र में फलस्तीन चरमपंथी समूह को निशाना बना हमले किए। हमास के खिलाफ सात सप्ताह से जारी इजराइली सेना के अभियान की वजह से इस क्षेत्र में लोग कई से हफ्तों से बिजली, पानी या मानवीय सहायता से वंचित हैं। इजराइली सैनिकों का अभियान इन दिनों जबालिया शिविर में संघर्ष चल रहा है। गाजा शहर के पास स्थित घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में 1948 के युद्ध के शरणार्थियों के परिवार रहते हैं। इजराइल पिछले कई हफ्तों से यहां बमबारी कर रहा है और सेना का दावा है कि गाजा शहर के अधिकतर हिस्सों से खदेड़े जाने के बाद हमास के लड़ाके यहां और अन्य पूर्वी जिलों में छिपे हुए हैं।*

फिलिस्तीनी शरणार्थियों को भारत की मदद

UNRWA को 25 लाख अमेरिकी डॉलर किए दान

एजेंसी | यरूशलमस

भारत ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए)को 25 लाख अमेरिकी डॉलर दान किए हैं। गाजा के लिए इस मुश्किल भरे वक्त में योगदान देने के एजेंसी ने मंगलवार को भारत के कदम का स्वागत किया है।

यूएनआरडब्ल्यूए 1950 से काम कर रही है और पंजीकृत फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए प्रत्यक्ष राहत एवं बचाव कार्यों का जिम्मा संभालती है। संयुक्त राष्ट्र के लगभग सभी सदस्य देश स्वेच्छा से इसे दान देते हैं। रामल्ला में भारत के प्रतिनिधि कार्यालय के मुताबिक, भारत ने 2023-24 के लिए यूएनआरडब्ल्यूए के कार्यक्रमों और सेवाओं के समर्थन के लिए अपने वार्षिक योगदान के हिस्से के रूप में सोमवार को 25 लाख अमेरिकी डॉलर दिए हैं। एजेंसी के कार्यों में फिलिस्तीनी शरणार्थियों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, राहत और सामाजिक सेवाएं मुहैया कराना शामिल है।

भारत का शुक्रिया किया अदा

फलस्तीन के लिए भारतीय प्रतिनिधि रेणु यादव ने यूएनआरडब्ल्यूए के विदेश मामलों के विभाग के भागीदारी निदेशक करीम आमिर को यह दानराशि सौंपी। यूएनआरडब्ल्यूए की एक प्रवक्ता तमारा अलरफाई ने बताया कि यूएनआरडब्ल्यूए को भारत से सोमवार को बड़ा दान प्राप्त हुआ, जिसकी पुष्टि करते हुए हम इस मुश्किल दौर में पूरे क्षेत्र में विशेष रूप से गाजा के समक्ष भारी जरूरतों की चुनौतियों से निपटने में योगदान का तहे दिल से स्वागत करते हैं। सात अक्टूबर को इजराइल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से यूएनआरडब्ल्यूए हजारों फिलिस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस खूनी संघर्ष के कारण गाजा की दो-तिहाई से अधिक आबादी को अपने घरों से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

26/11 की बरसी से पहले इजराइल का बड़ा फैसला

लश्कर-ए-तैयबा को दिया आतंकी संगठन का तमगा

एजेंसी | यरूशलम

इजराइल ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले की 15वीं बरसी से पहले बड़ा कदम उठाते हुए भारत के दुश्मन नंबर वन लश्कर-ए-तैयबा को अपने यहां भी आतंकी संगठन का तमगा दे दिया है। 2008 को मुंबई आतंकी हमले में 166 लोग मारे गए थे,जबकि 238 अन्य घायल हो गए थे।

मंगलवार को इजराइली राजदूत ने कहा कि यह कदम भारत के अनुरोध के बिना अपनी मर्जी से लिया है। इजराइल का यह कदम तब उठाया गया है जब कुछ दिन पहले उसने भारत से हमास को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग की थी।

इजरायली दूतावास ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत सरकार द्वारा ऐसा करने के किसी अनुरोध के बिना इजराइल ने सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं और लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी संगठनों की इजरायल की सूचना में शामिल किया जा रहा है। इसके लिए सभी आवश्यक जांच और नियमों को पूरा कर लिया गया है।

इजराइल ने किया 26/11 की बरसी का जिक्र

लश्कर-ए-तैयबा को एक आतंकी समूह के रूप में सूचीबद्ध करने के फैसले पर इजराइली दूतावास ने कहा कि यह केवल उन आतंकी संगठनों को सूचीबद्ध करता है जो इजराइल, भारत के अलावा कई देशों के खतरा बने हुए हैं। इजराइल के रक्षा और विदेशी मामलों के मंत्रालय ने दुनिया को बड़ा संदेश देते हुए लश्कर-ए-तैयबा संगठन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे आतंकी संगठन में शामिल करने का फैसला लिया है। इजराइली दूतावास ने कहा कि "लश्कर-ए-तैयबा एक घातक और निंदनीय आतंकवादी संगठन है, जो सैकड़ों भारतीय नागरिकों के साथ-साथ कईयों की हत्या के लिए जिम्मेदार है। 26 नवंबर, 2008 को इसकी जघन्य कार्रवाई आज भी शांति चाहने वालों को झकझोर देती है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तीन आतंकी ढेर

पेशावर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने उत्तर पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए दो अभियान के दौरान तीन आतंकवादियों को मार गिराया जबकि आईईडी विस्फोट में एक सैनिक की भी मौत हो गई। डेरा इस्माइल खान जिले के कुलाची इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई जबरदस्त गोलीबारी में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। पाकिस्तान सेना ने कहा कि दक्षिण वजीरिस्तान जिले के कोट आजम क्षेत्र में चलाए गए एक अलग अभियान में गोली लगने से एक आतंकवादी मारा गया। सुरक्षा बलों ने मारे गए तीनों आतंकवादियों के पास से हथियार एवं गोलाबारूद बरामद किए जो सुरक्षा बलों एवं आम नागरिकों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। उत्तर वजीरिस्तान जिले के घरयूम क्षेत्र में एक अन्य घटना में आईईडी के विस्फोट में एक सैनिक की भी मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने इलाके में किसी भी आतंकवादी की मौजूदगी को खत्म करने के लिए इन इलाकों में अभियान शुरू किया है। सेना ने कहा कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल देश से आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जेल में हुई सुनवाई को बताया अवैध

इमरान खान को हाई कोर्ट से झटका

एजेंसी | इस्लामाबाद

खुफिया डेटा को लीक करने के आरोप (सिफर केस) में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में हुई सुनवाई को अवैध घोषित कर दिया गया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे अब जारी कर दिया गया है।

खंडपीठ ने आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के न्यायाधीश की नियुक्ति के खिलाफ भी फैसला सुनाया। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को उस सुनवाई को अवैध घोषित कर दिया, जिसमें जेल अधिकारियों को इमरान खान को जूडीशियल लॉकअप में रखने का निर्देश दिया गया था। अदालत की सिंगल बेंच ने फैसले के खिलाफ खान द्वारा

दायर एक इंट्रा-कोर्ट अपील पर सुनवाई करते हुए निर्देश जारी किए, जिसने सिफर मामले में पूर्व प्रधानमंत्री के जेल मुकदमे को मंजूरी दे दी थी।

इससे पहले सुबह इस्लामाबाद हाई कोर्ट के दो सदस्यीय पैनल ने फैसला शाम तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। इसी अदालत की सिंगल बेंच ने पहले रावलपिंडी की अदियाला जेल में उनके मुकदमे के खिलाफ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष की अपील को खारिज कर दिया था।

पाक के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की याचिका पर सुनवाई 27 तक स्थगित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने एवेनफील्ड और अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील पर सुनवाई मंगलवार को 27 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और जस्टिस मियांगुल हसन औरंगजेब की पीठ ने शरीफ के वकील आजम तरार तथा राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की कानूनी टीम की दलीलें सुनी। शरीफ को लंदन में अवैध संपत्ति रखने को लेकर एवेनफील्ड मामले में जुलाई, 2018 में जवाबदेही अदालत ने 10 साल कैद और उनकी बेटी मरियम नवाज को सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन बेटी और उनके पति मुहम्मद सफदर को सितंबर, 2022 में बरी कर दिया गया था। नवाज को अल-अजीजिया स्टील मिल्स भ्रष्टाचार मामले में दोषी करार दिया गया था और सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

सोने की तलाश में श्रमिकों ने अपनी खुद की बनाई थी सुरंग

सूरीनाम में सोने की खदान ढही, 10 की मौत

एजेंसी | पारामारिबो

दक्षिण अमेरिकी देश सूरीनाम में सोने की एक अवैध खान के ढहने से 10 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि सैन्य अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और बचाव दल को खदन स्थल के लिए रवाना किया गया है जो देश के दक्षिणी ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है। अधिकारियों ने

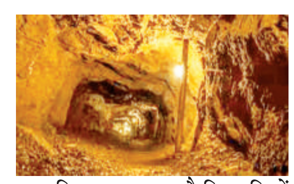

कहा कि माना जा रहा है कि खनिकों ने सोने की तलाश में अपनी खुद की सुरंग बनाई थीं जो सूरीनाम में एक आम घटना है।

गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी सहित नौ मरे

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के कुएर्नवाका शहर में पुलिस और हथियारबंद लोगों के बीच गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों सहित नौ लोगों की मौत हो गई। कुएर्नवाका सुरक्षा एजेंसी ने एक बयान में कहा कि बंदूकधारी लोगों के एक काफिले द्वारा सड़क पर शराब पी रहे लोगों पर गोलीबारी करने और एक व्यक्ति का अपहरण करने की कोशिश करने के बाद शुरू हुई गोलीबारी में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि अपराधी राइफल, बैलिस्टिक जैकेट और रेडियो से युक्त थे और शहर के विभिन्न हिस्सों में पुलिस से भिड़ गए।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl